दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 04
अंकः-73
मुरादाबाद
03 July 2024
(Wednesday)
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

गैर-कांग्रेसी नेता का तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना बर्दाश्त नहीं हो रहा, पीएम मोदी का विपक्ष पर तंज

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बैठक के बाद संवाददाताओं को जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों से संसदीय मुद्दों का अध्ययन करने, नियमित रूप से संसद में उपस्थित रहने तथा अपने निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित मामलों को प्रभावी ढंग से उठाने को कहा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को एनडीए सांसदों के साथ बैठक की। इस बैठक में प्रधानमंत्री ने एनडीए सांसदों को संसदीय नियमों और संसदीय आचरण का पालन करने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष एक गैर कांग्रेसी नेता का लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना बर्दाश्त नहीं कर पा रहा है। गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्रियों के योगदान को नजरअंदाज किया जाता था- एनडीए सांसदों की बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विपक्ष इस बात से परेशान है कि पहली बार एक गैर-कांग्रेसी नेता, वह भी एक चायवाला, लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बना है। नेहरू-गांधी परिवार पर कटाक्ष करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के सदस्य प्रधानमंत्री हुआ करते थे तथा अपने दायरे से बाहर के लोगों को बहुत कम मान्यता देते थे। कांग्रेस के सबसे प्रमुख परिवार से बाहर से आए प्रधानमंत्रियों के योगदान को नजरअंदाज किया जाता था, उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में यह सुनिश्चित किया कि उन सभी को मान्यता मिले क्योंकि प्रत्येक ने किसी न किसी तरह से देश के लिए योगदान दिया है। एनडीए ने राहुल गांधी के भाषण को बताया सबसे गैर जिम्मेदार - एनडीए सांसदों की बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए सांसदों से वरिष्ठ सदस्यों से संसद की सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में सीखने की अपील की। पीएम मोदी की यह अपील राहुल गांधी के लोकसभा में सोमवार को दिए भाषण के बाद सामने आई है, जिसे एनडीए ने सबसे गैर जिम्मेदाराना भाषण करार दिया है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बैठक के बाद संवाददाताओं को जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों से संसदीय मुद्दों का अध्ययन करने, नियमित रूप से संसद में उपस्थित रहने तथा अपने निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित मामलों को प्रभावी ढंग से उठाने को कहा। जब प्रधानमंत्री बोलते हैं तो संदेश सभी के लिए होता है-

जब किरेन रिजिजू से पूछा गया कि क्या प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को लोकसभा में दिए गए राहुल गांधी के भाषण का जिक्र किया? तो इस पर रिजिजू ने कहा कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं कहा, लेकिन जब देश के प्रधानमंत्री बोलते हैं, तो संदेश सभी के लिए होता है। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने सोमवार को लोकसभा में भाजपा पर जोरदार हमला किया था, जिसमें सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं पर सांप्रदायिक आधार पर लोगों को बांटने का आरोप लगाया गया था। इसका सत्ता पक्ष ने भारी विरोध किया था, प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस नेता पर पूरे हिंदू समुदाय को हिंसक कहने के लिए हमला बोला था। रिजिजू ने कहा कि गठबंधन की बैठक में एनडीए नेताओं ने मोदी को उनके ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के लिए बधाई दी। प्रधानमंत्री ने सांसदों से मीडिया के सामने टिप्पणी करने से पहले किसी भी मुद्दे का अध्ययन करने को कहा और कहा कि उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्रों के संपर्क में रहना चाहिए और मतदाताओं को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा के बहोरन लाल मौर्य ने एमएलसी के लिए दाखिल किया नामांकन, बोले - भाजपा पिछड़ों की सच्ची हितैषी

स्वामी प्रसाद मौर्य के इस्तीफे से खाली हुई सीट पर भाजपा की तरफ से बहोरन लाल मौर्य ने नामांकन दाखिल कर दिया है। मौर्य ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है। यहां साधारण कार्यकर्ताओं का सम्मान होता है।नामांकन के मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, सहकारिता मंत्री जीपीएस राठौर सहित कई मंत्री और वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। नामांकन के बाद भाजपा प्रत्याशी बहोरन लाल ने कहा कि भाजपा ने साधारण कार्यकर्ता को इतना बड़ा अवसर दिया है। भाजपा में कार्यकर्ताओं का सम्मान होता है। भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है। उन्होंने कहा कि भाजपा पिछड़े समाज की सच्ची हितैषी है।

लोकसभा में राहुल गांधी की हिंदू वाली टिप्पणी पर भड़के गोवा के CM, कहा- तत्काल सभी से मांगें माफी

राहुल गांधी के बयान के बाद गोवा सीएम प्रमोद सावंत ने प्रमोद सावंत ने कांग्रेस को अहंकारी बताया। उन्होंने सोसल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राहुल गांधी के इस बयान को लेकर कटाक्ष किया।कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोमवार लोकसभा में हिंदू को लेकर किए गए टिप्पणी पर गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को अपनी टिप्पणी र लोकसभा और करोड़ों हिंदुओं से माफी मांगनी चाहिए। हिंदू जनजागृति समिति (एचजेएस) ने भी राहुल गांधी की टिप्पणी की निंदा की और दावा किया कि हिंदुओं को हिंसक दिखाने का प्रयास किया गया है।सोमवार को लोकसभा में राहुल गांधी ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि जो खुद को हिंदू कहते हैं वे चौबीसों घंटे हिंसा और नफरत में लगे रहते हैं। उन्होंने आगे कहा,卐सभी धर्म और हमारे सभी महापुरुष अहिंसा और निर्भयता की बात करते हैं, लेकिन जो खुद को हिंदू कहते हैं वे केवल नफरत और हिंसा फैलाते हैं। आप हिंदू हो ही नहीं सकते।卐राहुल गांधी के इस बयान के बाद गोवा सीएम प्रमोद सावंत ने प्रमोद सावंत ने कांग्रेस को अहंकारी बताया। उन्होंने सोसल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राहुल गांधी के इस बयान को लेकर कटाक्ष किया। गोवा सीएम ने कहा, यह कांग्रेस की नफरत की दुकान है। हिंदुओं को हिंसक कहना, उन्हें अपमान करना है। राहुल गांधी को सदन में और करोड़ों लोगों से माफी मांनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, कांग्रेस और इंडी गठबंधन नेताओं का सनातन धर्म पर मजाक करना अत्यंत निंदनीय है। एचजेएस ने की राहुल गांधी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग- एचजेएस ने मंगलवार को जारी एक बयान में राहुल गांधी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए

अर्थव्यवस्था पर आंकड़े छुपा रही सरकार; अब मनमर्जी नहीं, जनमर्जी चलेगी, लोकसभा में बोले अखिलेश

सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि अब मनमर्जी नहीं जनमर्जी चलेगी। उन्होंने आगे कहा कि अगर उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर बनना है तो 35 फीसदी की ग्रोथ चाहिएलोकसभा की कार्यवाही एक बार फिर मंगलवार को शुरू हुई। केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग, नीट और अग्निपथ जैसे मुद्दों को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरा। इस दौरान दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार अर्थव्यवस्था पर आंकड़े छुपा रही है। यह गिरने वाली सरकार- अखिलेश यादव ने पहले लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को बोलने का मौका देने पर धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सबसे पहले उन सभी मतदाताओं को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने लोकतंत्र को एकतंत्र बनाने से रोका। चुनाव के समय ऐसा कहा गया कि 400 पार पर समझदार जनता को फिर से धन्यवाद। उन्होंने कहा, आवाम ने तोड़ दिया हूकुमत का गुमार, दरवार तो लगा है, मगर बड़ा गमगीन बेनूर है और पहली बार ऐसा लग रहा है कि हारी हुई सरकार विराजमान है। जनता कह रही है कि चलने वाली नहीं, यह गिरने वाली सरकार है। क्योंकि ऊपर से जुड़ा कोई तार नहीं, नीचे कोई आधार नहीं, अधर में जो लटकी, वो तो कोई सरकार नहीं। उन्होंने कहा, इस चुनाव में पूरे इंडी गठबंधन की जीत हुई है। यह इंडिया की सकारात्मक जीत हुई है। 2024 का परिणाम हम इंडिया वालों के लिए जिम्मेदारी से भरा पैगाम भी है। हम यह भी कहे 15 अगस्त 1947 अगर आजादी का दिन था, तो 4 जून 2024 देश के लिए सांप्रदायिक राजनीति से आजादी का दिन रहा। सबसे अच्छी बात यह है कि सांप्रदायिक राजनीति की हार हो गई। यूपी में 35 फीसदी की ग्रोथ चाहिए- उन्होंने आगे कहा, सरकार कहने को तो कहती है कि यह पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। मगर सरकार क्यों छिपा रही है कि अगर यह सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है तो हमारे देश की प्रति व्यक्ति आय किस स्थान पर पहुंची है। हमने देखा है कि अगर दिल्ली सरकार ने कहा होगा पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगी, तो जहां से पीएम से चुनकर आती है, तो वहां की प्रदेश सरकार कह रही है कि हम एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बना लेंगे। अगर उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर बनना है तो 35 फीसदी की ग्रोथ चाहिए। मुझे नहीं लगता है कि इतनी ग्रोथ हो पाएगी। अब मनमर्जी नहीं जनमर्जी चलेगी-उन्होंने कहा, जो लोग चुनाव को अपनी तरह से मोड़ते हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि इस चुनाव के परिणाम में तोड़ने वाली राजनीति की हार हुई है। वहीं जोड़ने वाली राजनीति की जीत हुई है। इस चुनाव में धन, छल, बल की नकारात्मक राजनीति की शिकस्त हुई है। यह चुनाव सकारात्मक का दौर शुरू हुआ है। संविधान ही संजीवनी है। यह संविधान मंथन में हैं। संविधान रक्षकों की जीत हुई है। मैं कहना चाहता हूं कि देश किसी की निजी महत्वाकांक्षा से नहीं, बल्कि जन आंकाक्षा से चलेगा। मतलब अब मनमर्जी नहीं जनमर्जी चलेगी।% सपा सांसद ने आगे कहा, पहली बारिश में टपकती छत और गिर चुकी स्टेशन की दीवार बेइमानी की निशानी बन गई है। विकास का ढिंढोरा पीटने वाले इस विनाश की जिम्मेदारी कब लेंगे। रही सच्चे विकास की बात तो हमने जो सड़कें बनाई तो उस पर हवाई जहाज इतने थे और यूपी की सड़कों पर नाव उतरी है। अगर और बारिश हुई तो नाव से ही चलना पड़ेगा। जनता को कोई सुविधा नहीं मिली है।% गन्ने का भुगतान तक नहीं किया उन्होंने कहा, अनाथ पशु की समस्याओं से छुटकारा दिलवाने के लिए बहुत वादे किए थे, लेकिन आजतक गन्ने का भुगतान तक नहीं दिया गया। अब तो वचन देने वाले लोगों को भी याद नहीं है। इसलिए जनता का इस सरकार पर से विश्वास उठ गया है। पेपर धांधली पर कही ये बात- नीट पेपर लीक पर बोलते हुए अखिलेश यादव ने कहा, पिछले 10 सालों की उपलब्धि बस इतनी ही है कि शिक्षा परीक्षा माफिया का जन्म हुआ। यूपी में सारे पेपर लीक हुए हैं। यहां तक कि अन्य राज्यों में भी ऐसा ही हुआ। नीट का पेपर भी लीक हुआ। अब सवाल उठता है कि आखिरकार सारे पेपर लीक कैसे हो रहे हैं। सच्चाई यह है कि सरकार नौकरी नहीं देना चाहती है इसलिए ऐसा करा रही है। सरकार आशा का प्रतीक होना चाहिए न कि निराशा का। उन्होंने आगे कहा, सरकार पीछे की बात न करके आगे की बात करे। जनता किसी के बहकावे में नहीं आएगी। सपा सांसद ने कहा कि एक और जीत हुई है। अयोध्या में हुई जीत जनता की समझ की जीत है। हम तो यही सुनते आए हैं होए वही जो राम रचराखा। ईवीएम का मुद्दा मरा नहीं- पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने कहा, जब मॉडल ऑफ कंडक्ट चुनाव हुआ तो सरकार काफी लोगों पर मेहरबान रही। मुझे ईवीएम पर कल भी भरोसा नहीं था और आज भी नहीं है। मुझे 80 सीटें भी मिल जाएं तब भी भरोसा नहीं होगा। मैंने अपने चुनाव में कहा था कि ईवीएम से जीतकर ईवीएम को हटाने का काम करेंगे। न ईवीएम का मुद्दा मरा है और न ही होगा खत्म। जबतक ईवीएम नहीं हटेगी हम लोग उस बात पर अड़ग रहेंगे। अग्निवीर को लेकर हमला- उन्होंने कहा, किसी भी देश की सबसे बड़ी प्राथमिकता कोई है तो वो देश की सीमाओं की सुरक्षा है। अग्निवीर जैसी व्यवस्थाओं से वो संभव नहीं है। हम अग्निवीर को कभी स्वीकार नहीं कर सकते। हम जब भी सत्ता में आएंगे, अग्निवीर खत्म कर देंगे।

भोले बाबा के सत्संग में भगदड़, 20 लोगों की मौत, एटा लाए गए शव; कई घायल मेडिकल कॉलेज में भर्ती

उत्तर प्रदेश के हादरस जिले के सिकंदराराऊ कस्बे में बड़ा हादसा हो गया। यहां भोले बाबा का सत्संग चल रहा था। बताया गया है कि सत्संग समाप्त होने के बाद यहां से जैसे भी भीड़ निकलना शुरू हुई तो भगदड़ मच गई। इस भगदड़ में गए। मौके पर चीख पुकार मच गई। आशंका है। घायलों को मेडिकल कॉलेज की सूचना है। ये आंकड़ा बढ़ भी सकता के दौरान भगदड़ मच गई। इस दौरान 20 लोगों के शव मेडिकल कॉलेज लाए वाली युवती ने बताया कि सत्संग में बड़ी सत्संग समाप्त हुआ उसके बाद लोग वहां जल्दी में भगदड़ मच गई। लोग एक दूसरे गिरते चले गए। भीड़ उनके ऊपर से दौड़ ओर चीख पुकार मची हुई थी।

महिलाएं और बच्चे बुरी तरह कुचलते चले हादसे में कई लोगों की मौत होने की एटा भेजा गया है, यहां 20 लोगों की मौत है। हाथरस जिले में भोले बाबा के सत्संग कई लोगों की मौत की सूचना है। एटा में गए हैं। हादसे को अपनी आंखों से देखने संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी हुई थी। से जाने लगे। इसी दौरान निकलने की को देख ही नहीं रहे थे। महिलाएं और बच्चे रही थी। कोई बचाने वाला नहीं था। चोरो

संपादकीय Editorial

Dehra for the state

A by-election has made Dehra the political spring of the state and the state itself seems to be turning into Dehra. The Chief Minister's wife contesting the election has given Naidun 100 and Dehra 101 marks. Every assembly constituency would want this fate or such a by-election, in fact, if a by-election like Dehra is held even in those places where Congress has won, then the state budget will also reach there easily. In the election campaign, improvement in the water supply of Dehra and a new avatar of the hospital in Dada Siba have started appearing. Actually, the entire center of the three by-elections seems to be here and the political geography is also revolving around here. In such a situation, whatever is left for the BJP may be visible through MP Anurag Thakur or the slogans of the Lok Sabha elections may return. By the way, Anurag Thakur can also say what he has not done for Dehra. He has put up the entire Central University here. It is a different matter that on the wall of the Central University, there is a poster of Anurag on one side and Sukhwinder Sukhu on the other side. Recently, the Congress government was giving 30 crores for Jadrangal to the people of Dharamshala, but the Dehra by-election snatched this right too. Anyway, Naidun to Dehra is no longer two assembly constituencies, but is the trust of Hamirpur parliamentary constituency. This area is the home of power and every moment of new politics, so the energy here is enough to silence the opposition or the leader of the opposition Jairam Thakur is now facing the anger of the government due to the victory flag of BJP around the neck of independents. This is the reason why the Bilaspur firing incident is not visible between the ruling party and the opposition. The by-elections have crushed the issues of the state or now the self-confidence of the BJP has accepted that the thorns of by-elections have grown on the resignations of independents. It is surprising that the orders of the assembly have reached the by-elections. Generally, due to its constitutional and legal system, the Speaker's cognizance becomes a model, but at the time of by-elections, the forces of Jairam versus the Speaker of the Assembly are not giving any good message. It is surprising that when questions were raised on the future of six chief parliamentary secretaries in these by-elections, the bells of action against nine BJP MLAs in the jurisdiction of the assembly have started ringing. That is, the current politics is not satisfied even with the war of six plus three, which is now threatening to defeat the new figure of six with nine. Now if the question is about the cognizance of the dignity of the assembly, then from the principles of the Speaker and the platform of the presidency, we can see the nails of the unstable politics of Himachal. This is not inevitable, but an unwanted turn and if tomorrow decisions start being taken on this scale, then the coming politics will sometimes be in a state of panic and sometimes will be seen as hostage. In such a situation, what is the fault of that voter who is imagining his better future in every election or by-election. Not only Dehra, but the voters of entire Himachal would want that the by-elections that have reached here become a lesson for some and an inspiration for others. All the assembly constituencies in the state cannot be of the ruling party, then who will end the tradition of animosity. Today everyone in Dehra is yours, but if the government thinks that the entire state is 'mine', then the files of economic crisis, realistic decisions, check on wasteful expenditure, the strength of the state and the courage of responsible administration will also increase. Now enough of elections and by-elections, so if it is the responsibility of the government to ensure that the remaining years of power are not wasted.

T20 World Cup: Patience and confidence turned uncertainty into certainty

Cricket is called a game of uncertainty, but if you have patience and confidence then uncertainty can be turned into certainty. Indian players have proved this by winning the T20 Cricket World Cup. The patience and confidence with which Rohit Sharma and the team players have played throughout the World Cup and remained undefeated, this is not due to any miracle, but success has been achieved due to patience and confidence. The final match against South Africa was not easy. 176 runs on a completely flat pitch in Barbados, West Indies amid strong winds was not a big score. Then Team India lost the wickets of established batsmen like captain Rohit Sharma, Rishabh Pant and Surya Kumar Yadav for 34 runs. At such a time, if one or two more wickets had fallen, it would have been difficult for Team India to catch 100 runs, but the patience shown by Virat Kohli and the confidence with which Akshar Patel hit four sixes from the other end laid the foundation for a big score. When Virat Kohli was playing slow, some people on social media were trolling him saying that when the team needs to score runs fast, Virat Kohli is creating problems for the team. Virat Kohli had the experience of the pressure of the final and he thought it best to remain patient. He stood holding the wicket from one end and gave full opportunity to young Akshar Patel and then Shivam Dubey to play shots from the other end. As soon as the match entered the 17th over, Virat Kohli showed his great form. He quickly took the team's score above 160 runs by hitting two sixes and a four. The target of 177 runs was not very big in front of South Africa's batting on a flat pitch. Team India looked full of confidence - The special thing in this entire T20 World Cup was that our bowlers defeated the opposing teams with full confidence. In the final, after South Africa lost two wickets, the way Stubbs, then Klaasen and De Kock were taking the match forward, it seemed that the confidence of Team India's players was shaken, but here captain Rohit Sharma's patience has to be praised. He did not come under pressure. By 15 overs, it was clear that the match would not be saved now. Probably 90 percent of Indian fans had also accepted this, but the confidence shown by Hardik Pandya, Jaspreet Bumrah and Arshdeep Singh cannot be praised enough. Surya Kumar Yadav could not show anything special in batting, but the incredible catch he took of the dangerous David Miller on the boundary on the first ball of the 20th over clearly reflected his confidence. The third umpire confirmed the catch after some time, but the enthusiasm and shine with which Surya Kumar Yadav showed the victory pose made it clear that Miller's comeback and India's victory was locked. Match pulled from the jaws of defeat - Due to their patience and confidence, the Indian players pulled victory from the jaws of South Africa. Defeated South Africa by 7 runs. Team India did something similar in the match against Pakistan. When despite a target of just 120 runs, Indian bowlers defeated Pakistan by 6 runs. This is the new young Team India, which neither fears anyone nor backs down. Now the young Team India has a chance to carry forward the legacy of great players like Rohit Sharma and Virat Kohli. Certainly, our young players will continue to show the same patience and confidence, as these great cricketers are leaving behind in their legacy. The special thing in this entire T20 World Cup was that our bowlers defeated the opposing teams with full confidence. Due to their patience and confidence, the Indian players snatched victory from the jaws of South Africa

Let the sunshine come: The glory story of 'Nalanda' did not become immortal just like that, behind it was the amazing desire to make it a centre of learning

The glory story of 'Nalanda', originally 'Nalanda' and popularly known as 'Nalanda', did not become immortal just like that, behind it was the amazing desire to make it a centre of learning. Often, taking the help of secondary sources for writing history and presenting primary sources in a distorted manner according to one's own convenience does injustice to both history and the present. Considering Naland as a centre of learning, if we call it a university city, then it will probably not be an exaggeration. In the description of Hiuen Tsang, there is a mention about the origin of its name, which is based on Buddhist traditions. According to this, Gautam Buddha was the emperor of this region in one of his previous lives. He was famous everywhere as a tireless donor (Na-alam-da, i.e. one who is not satisfied with giving donations). Due to this, this place became famous by the name of Naland. According to Majjhima Nikaya (1.377), it was a small village near Rajgriha. In Jain texts, it is described as the border area of ??Rajgriha. Mahavira spent 14 years here. Before the period of Ashoka, a stupa was built here in the memory of Sariputra. Till the time of Fa-Hien, Nalanda had no fame as a centre of learning. When Hiuen Tsang came to Naland about three centuries after Fa-Hien, at that time there was a centre of learning of international repute here. According to Hiuen Tsang, this centre of learning was established by a king named Shakraditya. The word 'Shakra' is synonymous with Indra and according to coin evidence, his identity with Mahendraditya Kumargupta I is probable. On this basis, it is established that Naland University was established by Kumargupta I. After Shakraditya, Buddhagupta, Tathagatgupta, Baladitya Vajra and Harshadi constructed buildings etc. in Nalanda and also provided financial assistance to the centre of learning. Harsha built a brass monastery and a wall around it and also a Sangharama, in which food for 40 monks was arranged. Hiuen Tsang writes that on his arrival, the monastery built by Shakraditya had reached a dilapidated state. But we have received many copper plates related to the protection and promotion of Nalanda Mahavihara, some of which have been published by scholars like Hiranand in volumes 20 and 21 of Epigraphia Indica titled Nalanda and its Epigraphic Materials. According to one of them, there were many viharas in a row, whose peaks were sky-high. Yasyambudharavalehishikharashreni Viharavali. Malevodharvavirajini virachita dhaatra manogya bhuvah. Itsing also confirms that the buildings there seemed to touch the clouds. Students of Nalanda were provided free food, clothing and education. While praising the facilities provided to this Mahavihara by Indian kings, Hiuen Tsang writes that two hundred villages were provided to it for financial assistance. The university had its own currency, on which the inscription 'Shri Nalanda Mahavihara-Arya-Bhikshu-Sanghasya' is engraved. Many other schools in the country and abroad were also affiliated to this university and they had different currencies. Even after Harsha, some Indian kings had provided financial assistance to this learning centre. A minister of the emperor named Yashovarmadev had donated so much to Naland that its monks could be fed daily for many years. The Pal kings of Bengal also took interest in this learning centre of Naland. In an inscription of Devpal, there is a reference to a grant for this university by a foreign king through his ambassador. Along with the grants from the kings and public participation, this university also produced food grains and milk by farming and cattle rearing. This centre of learning was adorned by renowned scholars. Hiuen Tsang has mentioned the contemporary teachers of Nalanda. At this time, Sheel Bhadra was the Vice Chancellor of this centre, who had been the teacher of this Chinese traveller. Hiuen Tsang has also mentioned an Acharya named Dharmapal, who had been the Vice Chancellor of Nalanda before Sheel Bhadra. He had written a grammar commentary named 'Varna-sutra-vritti-naam' in Sanskrit on the grammar of Acharya Chandragomin. Hiuen Tsang has also mentioned other Acharyas, among whom Chandrapal, Gunmati, Sthirmati, Prabhamitra, Jinmitra and Gyan Chandra are prominent. Among the teachers, there were also learned Acharyas like Sheel Bhadra, Nagarjuna, Aryadev, Asang, Vasubandhu and Dignag. Radhakumud Mukherjee writes that liberality is evident from the point of view of the subject of study here. There was a system of education of texts of Brahmin religion and Buddhism, religious and spiritual subjects, arts and sciences, crafts and industry. There was complete arrangement for education of Buddhist philosophies like Hetuvidya (logic), Shabdavidya (grammar), Chikitsavidya (medicine), Sankhya, Yoga, Nyaya and Sarvastivada, Madhyamik etc. From the description of Hiuen Tsang it seems that it was difficult to get admission in this university. Pandits were appointed in front of its main gates, who were called Dwar Pandits. They used to be experts in various subjects. To test the ability of the students seeking admission, they used to ask tough questions on philosophical subjects and complex problems. Only after giving proper answers, they were allowed to enter. Hiuen Tsang writes that only about twenty percent of the students were able to succeed with great difficulty. Foreign students were able to get admission in Buddhist G. They were engaged in presenting copies of the ranthas and acquiring knowledge. After studying, these students used to go to their home country and spread the fame of Nalanda. Unfortunately, in the last few years, an attempt has been made to present the destruction of this centre of learning as a conflict between Brahmins and Buddhists. While sharing Prof. DN Jha's article 'Destruction of Ancient Buddhist Sites', it is being said that 'Nalanda was badly damaged in a fire set by Hindu fanatics, yet the credit for its destruction is given to Mamluk commander Bakhtiar Khilji. Although Khilji had demolished a nearby monastery, he did not go to Nalanda.' Professor Jha had first said this in 2006 while discussing the Brahmin-Buddhist conflict in the Indian History Congress session.

इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों से पीड़ित को त्वरित मिलेगा न्याय : डीआईजी

नोक-नुक्कड़ पर लोगों को जागरूक कर रहे पुलिसकर्मी, सात साल की सजा के केस में प्रारंभिक जांच के बाद दर्ज होगी रिपोर्ट

मुरादाबाद- भारतीय दंड संहिता अब एक जुलाई से भारतीय न्याय संहिता में बदल गई है। इसके लिए महीनों से अधिकारियों, कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा था। आखिरी दिन 30 जून को आईपीसी की धाराओं में विभिन्न थानों के केस दर्ज किए गए हैं। पुराने लंबित मामलों को लिखने का काम भी रविवार रात तक चला। अब सोमवार से भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की नई धाराओं के तहत मामले दर्ज जाएंगे। वहीं कटघर थाने जहां पर डीआईजी मुनिराज जी व एसएसपी प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए को लेकर डीआईजी ने बताया है कि, इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों को कानून का हिस्सा मिलेगी। शिकायत, सम्मन और गवाही की की रफ्तार तेज होगी। उन्होंने ने बताया है कि, तारीख का दिन खत्म हो जाएगा। जिले के अभियान चलाया जा रहा है। पुलिसकर्मी जानकारी दे रहे हैं। शिकायत के तीन दिन है कि, आपराधिक मुकदमे की शुरुआत सीमा में एफआईआर दर्ज करना और उसे भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता पर तीन दिन के अंदर एफआईआर दर्ज होगी। प्रारंभिक जांच पूरी करके एफआईआर दर्ज के बाद उसे न्यायालय के सामने रख दिया कटघर थाना क्षेत्र के डबल फाटक निवासी किया गया है। जिसमें अब आईपीसी 323,

में नए कानून के तहत पहली प्राथमिकी दर्ज की गई। सतपाल अंतिल भी मौजूद रहे। उन्होंने नए कानून के अभियान चलाया है।सोमवार से लागू हुए नए कानून आधुनिक तकनीक का भरपूर इस्तेमाल और बनाने से मुकदमों को जल्दी निपटाने में आसानी प्रक्रिया में इलेक्ट्रानिक माध्यमों के इस्तेमाल से न्याय नए कानून से मुकदमे जल्दी निपटेंगे और तारीख पर सभी थानों में नऐ कानून के प्रति जागरूकता का नोक-नुक्कड़ पर लोगों को तीन नए कानूनों के बारे में बाद दर्ज होगी एफआईआर- मुनिराज जी ने बताया एफआईआर से होती है। नए कानून में तय समय अदालत तक पहुंचाना सुनिश्चित किया गया है। वहीं (बीएनएसएस) में व्यवस्था है कि शिकायत मिलने तीन से सात साल की सजा के केस में 14 दिन में की जाएगी। इसके बाद 24 घंटे में तलाशी रिपोर्ट जाएगा। नए कानून के तहत दर्ज हुआ पहला केस- नीलम का नए कानून के तहत पहला मामला दर्ज 504,506 की जगह 115(2), 352 और 351 (2) के तहत बीएनएस में मारपीट और धमकी का केस दर्ज किया गया है। आरोप है कि, सोमवार को पति विकास से कहासुनी हो गई। विरोध करने पर विकास ने उसके साथ मारपीट कर दी। पुलिस से शिकायत करने पर धमकी दी है। नए कानून को लेकर क्या बोले अधिवक्ता- वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक शर्मा ने कहा कि, सोमवार से लागू हुए नए कानून पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए त्वरित रूप कार्य करेंगे। नए कानून से मुकदमे जल्दी निपटेंगे और तारीख पर तारीख का दिन खत्म हो जाएगा।अब पीड़ित को जल्दी न्याय मिलेंगे। उन्होंने बताया है कि, नए कानून में कुछ प्रावधान ऐसे हैं जो पुलिस को ऐसी शक्ति प्रदान करते हैं जो आम जनता के हित में नहीं है। जिसमें पुलिस को कुछ और शक्तियां प्रदान की गईं हैं। सोमवार से तीन नए कानून लागू हुए हैं। इसके प्रति लोगों की जागरूकता के लिए अभियान चलाया जा रहा है। जिले के सभी पुलिसकर्मी नोक-नुक्कड़ पर बैठकर लोगों को नए कानूनों के बारे में जानकारी रहे हैं। अब नए कानून के तहत ही मामले दर्ज किए जाएंगे। इससे पीड़ित को त्वरित न्याय मिलेगा।-मुनिराज जी, डीआईजी रेंज मुरादाबाद नए कानून को लेकर पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया है। सभी थानों के प्रभारी निरीक्षकों को जागरूकता अभियान के लिए निर्देशित किया गया है। वहीं विवेच भी संवेदनशीलता दिखाने के साथ-साथ लोगों को जागरूक करेंगे।-सतपाल अंतिल, एसएसपी

खराब गुणवत्ता से धंसी सड़कें, अब लोगों को सता रही हादसे की आशंका

नगर आयुक्त से शिकायत के बाद भी नहीं सुधर रही स्थिति, कॉलोनी वासियों ने एमडीए की इस कॉलोनी में नागरिक सुविधाओं की अनदेखी पर जताई नाराजगी

मुरादाबाद- महानगर की कॉलोनियों में नागरिक सुविधाओं की अनदेखी से लोगों में नाराजगी है। अधिकारियों से कहने के बाद भी स्थिति में सुधार न होने से लोग खुद ही हादसे से बचाव के उपाय कर रहे हैं। दीनदयाल नगर कॉलोनी में पिछले सप्ताह हुई बारिश में कई जगह सड़कें धंस गई थीं। लेकिन उनकी सुधि लेने कोई नहीं आया। एमडीए की दीनदयाल नगर कॉलोनी में खराब गुणवत्ता की सड़कें जहां तहां धंस गई हैं। इससे नागरिकों को हादसे का अंदेशा बना है। दीनदयाल नगर प्रथम में सड़कें कई जगह धंस कर गड्ढा हो गया है। नाला के पास सड़क धंसने से उसमें वाहनों के फंसने की आशंका बनी है। वहीं कॉलोनी की मुख्य सड़क धंसने से बने गड्ढें में दो पहिया, चार पहिया वाहनों के पहिए फंसने का डर देखते हुए स्थानीय नागरिक व अधिवक्ता प्रदीप सक्सेना ने डंडा में कपड़ा लपेटकर सड़क के गड्ढे में लगा दिया। जिससे लोग खुद ही सावधानी बरतकर आवाजाही करें और हादसे से बच सकें। जिला पर्यावरण एवं गंगा समिति उत्तर प्रदेश के नामित सदस्य अधिवक्ता प्रदीप सक्सेना ने बताया कि इसके पहले भी उन्होंने कॉलोनी की सड़क धंसने और पाइप लाइन टूटने की जानकारी नगर निगम के अधिकारियों को देकर इसे ठीक कराने की मांग की थी। इस बार भी बारिश में सड़क धंसने से गड्ढे होने से दुर्घटना की आशंका बनी है। उनका कहना है कि सड़कों की खराब गुणवत्ता के चलते ही पहली बारिश में ही जगह जगह यह धंस गई। एक बार फिर नगर आयुक्त को जानकारी दी है कि गोपाल चाट वाले के पीछे साई मंदिर रोड दीनदयाल नगर प्रथम में हल्की बारिश में सड़क टूट गई है। इसमें गड्ढे हो गए हैं। कभी भी कोई दुर्घटना हो सकती है। नगर आयुक्त से अनुरोध किया है कि अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को भेजकर इसे ठीक कराएं।

कोसी नदी के तटबंध का साइफन क्षतिग्रस्त, किसानों को बड़े नुकसान का डर

मुरादाबाद- मूंढापांडे के अगापुर से मंडौली के छह किलोमीटर मार्ग पिछले साल हुई मूसलाधार बारिश के बाद क्षतिग्रस्त हो गया था। कई बार विभागीय अधिकारियों से शिकायत के एक साल बाद उस पर काम शुरू किया गया है। इस रास्ते के खराब होने से आए दिन लोग हादसे का शिकार हो रहे थे। मूंढापांडे के लगभग आधा दर्जन से अधिक गांव के 20 हजार लोगों को आवाजाही में दिक्कत आ रही थी। सोमवार को मूंढापांडे के अगापुर से मंडौली के लगभग छह किलोमीटर के रास्ते को सिंचाई विभाग की तरफ से सही कराया जा रहा है। हालांकि अभी भी काम अधूरा है। सिंचाई विभाग जल्द काम को पूरा करने का दावा कर रहा है। जबकि मानसून की दस्तक से सड़क निर्माण का काम रुकने से क्षेत्रवासियों को काफी दुश्वारियों का सामना करना पड़ेगा। उधर मूंढापांडे के मानपुर पट्टी के कोसी नदी के तटबंध पर बने साइफन क्षतिग्रस्त होने से किसानों की फसलें बर्बाद होने का खतरा मंडरा रहा है। पिछले वर्ष अधिक वर्षा होने से साइफन के आसपास से बरसात

का पानी भर जाने से किसानों की कई सो बीघा बर्बाद हो गई थी। इस बार भी साइफन के क्षतिग्रस्त होने से बरसात में कोसी नदी का पानी ओवर फ्लो होने का किसानों को डर सता रहा है। अगर ऐसा हुआ तो लगभग आधा दर्जन किसानों की लगभग पांच सो से छह से बीघा फसल बर्बाद हो जाएगी। पिछले साल ज्यादा बारिश होने व साइफन के क्षतिग्रस्त होने की वजह से किसानों के खेतों में पानी भर गया था। जिससे किसानों की फसलें बर्बाद हो गई थीं। इस बार भी साइफन क्षतिग्रस्त है अगर बरसात ज्यादा हुई तो पिछले साल की तरह इस बार भी आधा दर्जन से अधिक गांवों के किसानों की पांच सौ बीघा से अधिक फसल बर्बाद हो जाएगी। संबंधित विभाग से पत्राचार व समाधान दिवस में शिकायत के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ।-धर्मेश सैनी, ब्लॉक अध्यक्ष मूंढापांडे भाकियू (टिकैत) अगापुर से मंडौली के मार्ग पर काम कराया जा रहा है। लंबा रास्ता होने की वजह से अभी काम पूरा होने में चार से पांच दिन का समय और लगेगा।-आरपी सिंह, अधिशासी अभियंता, सिंचाई खंड

पिछले तीन साल में मुरादाबाद में डेंगू से एक भी नहीं हुई मौत, जन जागरूकता अभियान भी शुरू

मुरादाबाद- वर्षाऋतु प्रारंभ हो गई है। जिससे संक्रामक रोगों के बढ़ने का खतरा बढ़ गया है। इसी क्रम में स्वास्थ्य विभाग ने संक्रामक रोगों के नियंत्रण को प्रारंभिक तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। डेंगू और मलेरिया के प्रभाव को नियंत्रित करने को जन जागरूकता अभियान भी शुरू हो गया है। लेकिन, इसी बीच पिछले साल में डेंगू के प्रभाव वाले मामलों पर नजर डाली गई तो सरकारी आंकड़े हैरत में डालने वाले सामने आए हैं।स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े कितने सच हैं, इस पर दावा हम तो नहीं कर सकते लेकिन, सरकारी आंकड़े कह रहे हैं कि 2023 की बात दूर...पिछले तीन वर्षों में मुरादाबाद जिले में एक भी व्यक्ति की मौत डेंगू से नहीं हुई है। वैसे, हकीकत यह है कि पिछले साल डेंगू के रोगियों की जिले में बाढ़ आ गई थी। अस्पताल में बेड नहीं मिल रहे थे। रोगियों को फर्श पर लिटाकर इलाज चला था। काफी लोगों की मौत भी हो गई थी। पिछले वर्ष के तीन महीने (अगस्त- अक्टूबर) में ही डेंगू के 1201 रोगी मिले थे। इसमें 890 शहरी और 311 रोगी ग्रामीण क्षेत्र से थे। डेंगू के बढ़ते रोगियों को देख घरों से लेकर अस्पताल तक हाहाकार मचा था। डेंगू को लेकर हर कोई भयभीत था। महानगर के लगभग हर वार्ड में डेंगू से सुरक्षा को लेकर हॉट स्पॉट बनाए गए थे। लेकिन, स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि पिछले साल हुई मौतें डेंगू से नहीं बल्कि अन्य रोगों के कारण हुई थीं। जिले में डेंगू का प्रभाव- वर्ष - पॉजिटिव केस - मृत्यु 2023 - 1392 - 00 2022 - 576 - 00 2021 - 1129 - 00 नोट = उक्त आंकड़े सीएमओ कार्यालय के हैं। मुरादाबाद में पिछले साल डेंगू से एक भी मौत नहीं हुई है। यह बात चिकित्सा विभाग की ऑडिट टीम ने घोषित कर रखी है। वैसे जिला अस्पताल में मंडल के सभी पांच जिलों से रोगी आते हैं। पिछले साल डेंगू के रोगियों की बढ़ती संख्या के कारण बेड की उपलब्धता की दिक्कत जरूर हुई थी।- डॉ. कुलदीप सिंह, सीएमओ

संक्षिप्त समाचार

तहरीर आते ही दौड़े मुंशी... सर इसमें क्या-क्या धाराएं लगेंगी; पहले दिन साधारण तहरीर देख उलझ गए पुलिसकर्मी

मुरादाबाद में पहले दिन मारपीट और गालीगलौज जैसी साधारण तहरीर देखकर भी पुलिसकर्मी उलझ गए। तहरीर आते ही मुंशी दौड़ लगाने लगे। सर इसमें क्या-क्या धाराएं लगेंगी। सोमवार तीन नए कानूनों के लागू होने का पहला दिन था। दोपहर तीन बजे सिविल लाइंस थाने में थाना प्रभारी संदीप मिश्रा अपने कार्यालय में फाइलें निपटा रहे थे। थाना परिसर में टीनशेड के नीचे बैठे इंस्पेक्टर अवध बिहार और बालेंद्र कुमार शिकायतें सुन रहे थे।इसी दौरान एक महिला थाने पहुंची और मुंशी को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। मुंशी तहरीर लेकर इंस्पेक्टर अवध बिहारी के पास पहुंचा और बोला सर इस तहरीर में क्या-क्या धाराएं लगेंगी। तहरीर तो साधारण मारपीट की थी लेकिन मुंशी के साथ ही इंस्पेक्टर भी धाराएं लगाने में उलझ गए। नए कानून के तहत धाराएं लगाने के लिए उन्होंने नए कानून की किताब के पन्ने पलटने लगे। धाराएं ढूंढकर डायरी में नोट किया। सिविल लाइंस थाने का यह मामला केवल एक बानगी भर है। जनपद के सभी थानों में ये ही नजारा देखने को मिला। दूसरे थानों में केस दर्ज होने का इंतजार करते रहे कई थाना प्रभारी- एक जुलाई से तीनों नए कानून लागू हो गए थे लेकिन कई थाना प्रभारी दूसरे थानों में केस दर्ज होने का इंतजार करते रहे। कटघर थाने में पहला मुकदमा दर्ज होने के बाद जनपद के अन्य थानों में भी केस दर्ज किए गए। पहले दिन ही थाने से महिला को लौटा दिया- सिविल लाइंस क्षेत्र में रहने वाली एक महिला सोमवार सुबह थाने पहुंची। थाने में नए कानून में महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए सख्त कानून की चर्चा हो रही थी लेकिन इस महिला की तहरीर पर केस दर्ज नहीं किया गया। महिला ने बताया कि कुछ लोग उसे लंबे समय से परेशान कर रहे हैं। वह कहीं जाती है तो उसका पीछा करते हैं। महिला के पति ने इसका विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की। 26 जून को घर में घुसकर महिला के साथ मारपीट की गई। पुलिस ने जांच करने के बाद कार्रवाई करने का आश्वासन देकर उसे थाने से लौटा दिया। इन थानों में पहले दिन दर्ज नहीं हुए केस- तीन कानून लागू होने के बावजूद भी जनपद के कई थानों में पहले दिन केस दर्ज नहीं किए गए। नागफनी, गलशहीद, मुगलपुरा, महिला थाने, मूंढापांडे, कांठ, भोजपुर, भगतपुर, ठाकुरद्वारा, मैनाठेर में दर्ज दर्ज नहीं हुए हैं। हालांकि पूरे दिन इन थानों में नए तीन कानूनों और धाराओं को लेकर चर्चा होती रही।

संतान न होने के ताने से आहत महिला ने दी जान, पुलिस ने आरोपी पति को किया गिरफ्तार

मुरादाबाद- थाना सिविल लाइन इलाके के रामगंगा विहार के एमआईटी गेस्ट हाउस पर पारिवारिक कलह के चलते महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके पर पहुची पुलिस ने फंदे से शव उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पति को किया हिरासत में लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।जानकारी के अनुसार, महिला सायरा की पांच साल पहले इमरान के साथ शादी हुई थी। इमरान गोल्डन ट्रांसपोर्ट पर पिकअप चलाने का कार्य करता है। सोमवार रात दोनों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया, जिसके बाद महिला ने कमरा बंद कर फांसी लगा ली है। परिजनों ने गंभीर आरोप लगाते बताया कि पति इमरान काफी लंबे समय से सायरा को संतान ना होने और दहेज लेकर आने के लिए काफी प्रताड़ित करता था और मारपीट भी करता था। रात भी इरमान ने सायरा को संतान ना होने का ताना देकर प्रताड़ित किया। परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है।

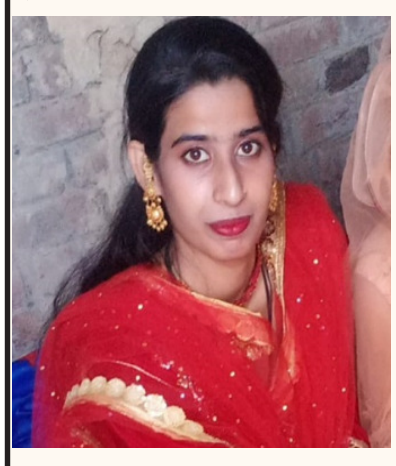

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

पीड़ित मकान स्वामी का आरोप नगर निगम ने अवैध रूप से तोड़ दी हमारे मकान की बाउंड्री कहा हमारा माकन नही हे कोई नाले ये नाली पर

क्यूँ न लिखूँ सच -सिकंदर राजा

उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के चंदन नगर निवासी पीड़ित परिवार का आरोप है कि नगर निगम प्रशासन अपनी मनमानी करने से पीछे नहीं हट रहा मकान

स्वामी राकेश आहूजा ने बताया कि चंदन नगर में हमारा मकान है और हमारा मकान नगर निगम के किसी नाले या नाली पर बना हुआ नहीं है लेकिन नगर निगम प्रशासन किसी के वहकाबे में आकर हमको धमकाते हुए हमारे मकान को जबरदस्ती नाली या नाले पर दर्शाने का काम कर रहा है वही मकान स्वामी का कहना है कि नगर निगम प्रशासन आज दिन मंगलवार को इसी इलाके में नाप नपाई करने के लिए आए हैं लेकिन हमारा मकान कोई ना ले या नल की जगह पर बना हुआ नहीं है हां हमारे मकान के सामने कुछ मकान नगर निगम की जगह यानी नाले पर बने हुए हैं जिसमें एक मकान भाजपा पार्षद कमला वर्मा का भी बना हुआ है लेकिन नगर निगम प्रशासन इस और ध्यान नहीं दे रहा है या यू कहीं की मौजूदा सरकार होने के डर से नगर निगम प्रशासन मूर्ख दर्शक बना हुआ है वही मकान पर अतिक्रमण करने आए नगर निगम प्रशासन की टीम के कुछ लोगों का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमे कहा जा रहा है कि तुमको ऐसी रिपोर्ट भेजेंगे कि तुम याद रखोगे आगे आपको बता दें मकान स्वामी की बाउंड्री तोड़ने के बाद एक व्यक्ति द्वारा वीडियो में ये भी कहां जा रहा है की आपके मकान का कंफ्यूजन हो गया था यह गलती भी नगर निगम प्रशासन मानने को तैयार है इस तरह के कुछ वीडियो भी सामने आए हैं आइए आपको अब सुनाते हैं पूरे प्रकरण में क्या कुछ कहना है पीड़ित मकान स्वामी का

सिम विक्रेताओं व रिटेलर को वैधानिक कार्यवाही के संबंध में निर्देशित किया

क्यूँ न लिखूँ सच -शैलेन्द्र राठौर

झाबुआ- पुलिस अधीक्षक झाबुआ पद्मविलोचन शुक्ल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रेमलाल कुर्वे व्दारा सिम विक्रेताओ व रिटेलरो की बैठक लेने व फर्जी सिम बेचने व खरीदने पर वैधानिक कार्यवाही के सम्बध निर्देशित किया गया था। पुलिस कंट्रोल रुम झाबुआ मे एस.डी.ओ.पी अनुभाग

झाबुआ रुपरेखा यादव व थाना प्रभारी रमेशचन्द्र भास्करे के द्वारा सिम विक्रेता एवं रिटेलर की मीटिंग ली गई जिसमे बताया गया कि सिम डिस्ट्रीब्यूटर को यह जानकारी होना चाहिये कि कौन सी सिम किस रिटेलर्स द्वारा एक्टिवेंट की गई है या बैची गई है। यदि कोई रिटेलर्स जानकारी उपलब्ध नही कराता है तथा सुरक्षा की दृष्टि से बनाए गए नियमों का पालन नही करता है तो उसकी जानकारी पुलिस को दे ताकि उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान सभी डिस्ट्रीब्यूटर को जल्द ही अपने रिटेलर्स को नियमों की जानकारी एवं फर्जी तरीके से किसी भी व्यक्ति को सिम नही बेचने के सम्बध में एक शपथ पत्र लेने की बात कही। झ्रद्वद्गद्गष्भ्द्ध ष्ठ्ठ 2023 के तहत फर्जी सिम कार्ड बेचना,खरीदना एवं उसका उपयोग करने पर सख्त कानूनी प्रावधान है। एक पहचान पत्र पर 9 से ज्यादा सिम कार्ड होने पर 50 हजार रुपये का जुर्माना है। दूसरी बार यही काम करने पर 2 लाख रुपये तक का जुर्माना है । सिम बेचने के लिये बायोमेट्रिक डेटा लिया जाएगा, उसके बाद ही सिम जारी होगा।बिल के तहत फर्जी सिम कार्ड बेचने,खरीदने और इस्तेमाल करने पर भी 3 साल तक की जेल और जुर्माना लगेगा। आपके नाम से कोई फर्जी सिम तो नहीं है, इसके बारे मे जानकारी लेने के लिये https¬¬-//sancharsaathi.gov.in/ पोर्टल के माध्यम से जाँच कर सकते है। TAFCOP मॉडयूल एक मोबाईल ग्राहक को उसके नाम पर लिए गए मोबाईल कनेक्शन की संख्या की जांच करने की सुविधा प्रदान करता है। यह उन मोबाईल कनेक्शनों की रिपोर्ट करने की सुविधा भी देता जिनकी या तो आवश्यकता नही है या ग्राहक द्वारा नही लिया गया है। वहीं पारा /पारा पुलिस चौकी प्रभारी बघेल द्वारा चौकी पारा में समस्त मोबाइल सीम विक्रेताओ, रिटेलर्स एवम क्योस्क संचालक, एलएनटी फाइनेंस वालों की बैठक आयोजित की गई हैं जिसमे सीम विक्रेताओं को बिना वैलिड दस्तावेज के सीम कार्ड जारी ना करने और फर्जीवाड़े से बचने के लिए टेलीकॉम एक्ट 2023 के प्रावधानों से अवगत कराया गया एवम क्योस्क संचालक, एलएनटी फाइनेंस वालों अधिक कैश कैरी ना करने, ई ट्रांजेक्शन करने, क्योस्क सेंटर में सीसीटीवी कैमरे लगाने और गार्ड रखने के लिए चर्चा की गई

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

राम में हुआ विशेष जनसुनवाई का आयोजन,कलेक्टर द्वारा विकासखंड रामा का भ्रमण किया

क्यूँ न लिखूँ सच -शैलेन्द्र राठौर

झाबुआ- कलेक्टर नेहा मीना द्वारा मंगलवार को रामा की विशेष जनसुनवाई के पश्चात विकासखंड रामा का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान कलेक्टर द्वारा कुपोषण, गर्भवती महिलाओ एवं शाला

त्यागी बच्चों पर विशेष फोकस किया गया। विकासखंड रामा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रोटला में कलेक्टर ने शाला त्यागी बच्चों को पुष्पमाला पहनाकर शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ा व उन्हें प्रतिदिन स्कूल आने के लिए प्रेरित किया साथी ही अन्य बच्चों को भी स्कूल जाने के लिए प्रेरित करने को कहा। कलेक्टर द्वारा बच्चों की कक्षा में जाकर उन्हें प्रतिदिन स्कूल जाने के लिए प्रेरित किया, बच्चों को कहा कि वे कम से कम 12 वी तक पढ़ाई अवश्य करें। बच्चों द्वारा यह भी जाना कि वे बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं कुछ बच्चो द्वारा डॉक्टर व पुलिस बनने की इच्छा जाहिर की गई। कलेक्टर ने यहां पर मध्याह्न भोजन का भी निरीक्षण किया । मध्याह्न भोजन मेनू अनुसार एवं स्वच्छता से बनाया गया । जिसकी प्रशंसा भी की गई व प्रतिदिन इसी तरह मेनू अनुसार भोजन दिए जाने के निर्देश दिए। उप स्वास्थ्य केंद्र एवं आंगनवाड़ी केंद्र रोटला का निरीक्षण किया उप स्वास्थ्य केंद्र में गर्भवती महिलाओं, कुपोषण एवं वैक्सीनेशन की जानकारी प्राप्त की। सी एच ओ को एएनसी एवं स्वास्थ्य से संबंधित सभी रजिस्टर मेंटेन करने के निर्देश दिए। सी एच ओ द्वारा ए एन सी रजिस्टर मेंटेन ना करने पर एससीएन जारी करने के निर्देश दिए । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को गर्भवती महिलाओ एवं बच्चों के स्वास्थ्य, कुपोषण एवं टीकाकरण की व्यवस्थित तरीके से मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। आंगनवाड़ी केंद्र रोटला में बच्चों का वजन किया। कलेक्टर द्वारा वर्षा के जल संरक्षण हेतु कोकावद में सोकपीट एवं वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का भी निरक्षण किया। कोकावद में हैंडपंप के पास सोकपीट बनाया गया है जिससे हैंडपंप एवं वर्षा के जल को संरक्षित किया जा रहा है । ग्राम पंचायत कोकावद में पंचायत भवन में रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाया गया है। जिसमे छत के पानी को नीचे एक पाइप से उतारा गया है । अन्य भवनों में भी इस तरह वर्षा के जल को संरक्षित किए जाने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जितेन्द्र सिंह चौहान, संयुक्त कलेक्टर सत्यनारायण दर्रो, मुख्यचिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ भारत सिंह बघेल, महिला एवं बाल विकास अधिकारी राधु सिंह बघेल एवं अन्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल का सपा पर हमला, बोलीं- उनके लिए पीडीए का नारा सत्ता पाने का हथियार

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने अपना दल के स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और कहा कि हम पिछड़ों की आवाज उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि सपा के लिए पीडीए का नारा सत्ता पाने का हथियार है।केंद्रीय मंत्री व अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने कहा कि सपा के लिए पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) का नारा सिर्फ सत्ता पाने का हथियार है। केंद्र में रक्षा मंत्रालय संभालते समय और राज्य में सत्ता में रहते हुए पीडीए याद नहीं आता है। हम लोग सामाजिक न्याय की जुगाली नहीं करते हैं। हम जब पिछड़ों के लिए सवाल उठाते हैं तो उन्हें बहुत तकलीफ होती है। अनुप्रिया पटेल पार्टी के स्थापना दिवस पर लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में बोल रही थीं।उन्होंने सपा पर हमलावर होते हुए कहा कि प्रमोशन में आरक्षण का विरोध किसने किया था। हमने जब पिछड़ों की भर्ती को लेकर सवाल उठाए तो उन्हें दर्द हुआ। अनुप्रिया ने कहा कि अपना दल सोनेलाल पटेल के मिशन को लेकर संघर्ष कर रहा हैं। 1995 में अपना दल का गठन हुआ। डॉक्टर साहब को असली श्रद्धांजलि तब होगी जब हम उनके मूल्यों पर चलेंगे।उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद हम सब पहली बार मिल रहे हैं। मुझे गर्व है कि मेरे पास ऐसे भाई बहन हैं, जो यूपी के हर जिले से मिर्जापुर और सोनभद्र पहुंचे। अनुप्रिया को तीसरी बार जिताने का पूरा श्रेय कार्यकर्ताओं को जाता है। मिर्जापुर में किसी ने हैट्रिक नही बनाई। ये चुटकी ली जाती थी। कुछ कमी हमसे रह गईं की हम दूसरी सीट नहीं जीत सके। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने हमारे खिलाफ भ्रम फैलाया। सवाल है कि विपक्ष ये भ्रम फैलाने में सफल कैसे हुआ? मोदी सरकार ने ऐसे कई फैसले लिए जो पिछड़े और दलितों के पक्ष में थे। इतना कुछ करने के बाद भी कुछ बाकी रह गया। 69000 शिक्षक भर्ती के मामले का निराकरण नहीं हुआ। ये उतार चढ़ाव चलते रहेंगे। वंचित वर्ग की आवाज उठाने से मुझे कोई नहीं रोक सकता। अपना दल हमेशा ही पिछड़ों का मुद्दा उठाता है। अपना दल के खिलाफ झूठ ब्रिगेड काम कर रही है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में राजा ईवीएम से पैदा होता है। ये मैंने गलत नहीं कहा। हम कहते रहेंगे कि लोकतंत्र में राजा ईवीएम से पैदा होता है।

स्कूल चलो अभियान के तहत नन्हे मुन्ने बच्चो एवं शिक्षको के द्वारा रैली का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच

स्कूल चलो अभियान के तहत आज प्राथमिक विद्यालय परोही वि.ख. बहेड़ी के नन्हे मुन्ने बच्चो एवं शिक्षको के द्वारा गांव में एक रैली का आयोजन किया गया जिसके द्वारा गांव के लोगो को अपने बच्चो को प्रतिदिन स्कूल भेजने एवं नवीन प्रवेश के वारे में जागरूक किया। सरकार द्वारा किए जा रहे नए नए प्रायशो जैसे डीबीटी स्मार्ट क्लास आदि के वारे में भी अवगत कराया रैली का आयोजन विद्यालय के प्रधानाध्यापक शकील अहमद के द्वारा किया गया रैली में विद्यालय स्टाफ वेदपाल सिंह,सहाना,पूजा सिंह, स्वीटी जयसवाल, ललित गंगवार,असद उपस्थित रहें

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

व्यापारी पिता-पुत्र समेत तीन पर जानलेवा हमला, एक की हालत गंभीर

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली शहर के के धीमानपुरा में रात 11 बजे 6 लोगों ने व्यापारी सीताराम और उनके बेटे हर्षित पर जानलेवा हमला कर दिया। साथ ही व्यापारी के भतीजे पर भी हमला किया गया। सरियों व धारदार

हथियार से हुए हमले में सिर में चोट लगने से एक अधेड की हालत गंभीर बनी हुई है। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। शामली शहर के पंजाबी कॉलोनी निवासी सीताराम की धीमानपुरा में पुराना मुजफ्फरनगर बस स्टैंड के कोने पर कनफेक्शनरी की दुकान है। सोमवार की रात में करीब 11 बजे सीताराम और उसके पुत्र दुकान बढ़ाकर अपने घर जाने की तैयारी में थे। आरोप है कि इसी दौरान 6 लोगों ने लाठी-डंडों, सरिये व धारदार हथियारों से उन पर हमला कर दिया। हमले में सीताराम के सिर में धारदार हथियार लगने से गंभीर घायल हो गया। जबकि सीताराम का पुत्र हर्षित और भतीजा गौरव भी घायल हुए है। रात में ही घायलों को अस्पताल में ले जाया गया। वहीं पुलिस भी अस्पताल पहुंची थी। सूचना पर पंजाबी समाज के लोग भी अस्पताल और बाद में कोतवाली पहुंचे थे।आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने पर मामला दर्ज किया जाएगा। आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कोर्ट ने साली से रेप में दोषी बहनोई को 7 साल सजा सुनाई

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ के गोंडा क्षेत्र में साली से रेप के मुकदमे में बहनोई को सात साल कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला एडीजे 11 रजनेश कुमार की अदालत ने सुनाया है। इस मामले में बहनोई के माता-पिता को नेकचलनी की शर्तों पर रिहा किया गया। यह घटना आठ दिसंबर 2011 की है। मथुरा जिले के बल्देव थाना क्षेत्र निवासी व्यक्ति के अनुसार उसकी बड़ी बहन गोंडा क्षेत्र में व्याही है। घटना से कुछ दिन वह दुर्घटना में घायल हो गई थी। वह बिस्तर पर उपचार पा रही थी। इस क्रम में उसका बहनोई घर के कामकाज के लिए उसकी 17 वर्षीय बहन को बुला ले गया था। सात दिसंबर 2011 को छोटी बहन ने फोन कर कहा कि बहनोई उसे परेशान कर रहा है। वह अपनी मां व अन्य रिश्तेदारों संग बहनोई के घर पहुंचा और शिकायत की तो वहां बहनोई, उसके पिता व मां ने विरोध करते हुए छोटी बहन को पीट दिया। बीच-बचाव में बाकी लोगों को भी पीटा गया। इस दौरान छोटी बहन जख्मी हो गई, जिसे अस्पताल में लाया गया। वहां उसने सच बताते हुए कहा कि उसके साथ छह दिसंबर को कमरे में बंद कर बहनोई ने दुष्कर्म किया था। इस मामले में पुलिस ने आरोपी बहनोई, उसके माता-पिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने तीनों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया। गवाही व साक्ष्यों के आधार पर बहनोई को दुष्कर्म और उसके माता-पिता को मारपीट व गाली-गलौज का दोषी करार दिया गया

गुटखा खाने से मना करना पड़ा भारी पत्नी ने फांसी लगाने का किया प्रयास इलाका पुलिस में मचा हड़कंप

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ अकराबाद - गांव कलियानपुर में एक युवक द्वारा पत्नी से गुटखा खाने से मना करना भारी पड़ गया। पत्नी इससे

आगबबूला होकर फांसी लगाने पर अड़ गई।युवक ने 112 पर फोन कर पुलिस को बुला लिया गांव कलियानपुर निवासी युवक ने बताया है कि उसकी करीब बीते माह अप्रैल में शादी हुई है।पत्नी गुटखा खाने की शौकीन है।उसने पत्नी को काफी समझाया है लेकिन वह सुनने को तैयार नहीं है। जब उसने उससे गुटखा खाने से मना किया तो वह आपे से बाहर होकर फांसी लगाने लगी लेकिन उसने सूझबूझ से फांसी लगाने के प्रयास को विफल कर दिया।और 112 पर फोन कर पुलिस को बुला लिया।पुलिस ने दोनों को कड़ी मस्कत के बाद समझा बुझाकर मामला शांत किया है

व्यापारी हत्याकांड: नौकर और चार करीबी हिरासत में, दिल्ली से भी जुड़ रहे तार, सीसीटीवी फुटेज में दिखा कुछ ऐसा

लखीमपुर खीरी जिले में भानपुरी खजुरिया के हार्डवेयर व्यापारी कृष्ण कुमार की हत्या के मामले के तार दिल्ली से जुड़ रहे हैं। सीसीटीवी कैमरे खंगालने के बाद दिल्ली नंबर की गाड़ियों के खजुरिया आने की बात सामने आई है। पुलिस इस एंगल पर जांच कर रही है। लखीमपुर खीरी जिले के भानपुरी खजुरिया के हार्डवेयर व्यापारी कृष्ण कुमार उर्फ बबलू सेठी की हत्या के पीछे बड़ी साजिश के संकेत मिले हैं। व्यापारी के मकान के इर्दगिर्द की दुकानों, निजी बस स्टैंड और खजुरिया चौराहे के पास के सीसीटीवी कैमरे खंगालने के बाद दिल्ली नंबर की गाड़ियों के शनिवार की रात खजुरिया पहुंचने की बात सामने आई है। गौरीफंटा थाना, पलिया थाना, संपूर्णानगर थाना और क्राइम ब्रांच की टीमें जुटी हैं।पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार शनिवार की देर रात 12 और एक बजे के बीच में बबलू सेठी की हत्या की गई है। हत्यारों ने नाक-मुंह दबाकर हत्या की थी। पुलिस ने 20 साल से नौकरी करने वाले नौकर राम समेत बबूल सेठी के नजदीकी चार व्यापारियों को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है। पुलिस टीमें अप्रैल, मई और 29 जून तक व्यापारी के दोनों मोबाइल पर आए कॉल्स की सीडीआर निकलवा रही है। व्यापारी के दोनों मोबाइल कब्जे में लिए गए हैं। माना जा रहा है कि बबलू की हत्या के तार दिल्ली से जुड़ रहे हैं। वारदात के लिए कई माह पहले प्लानिंग की गई है। इधर, पुलिस ने सोमवार सुबह व्यापारी के नौकर राम को हिरासत में ले लिया। उससे पूछताछ के बाद बबलू के चार नजदीकी व्यापारियों को हिरासत में ले लिया। पुलिस टीमों ने दिनभर सभी से पूछताछ की। देर शाम को तीन व्यापारियों को पुलिस ने पूछताछ के बाद छोड़ दिया है लेकिन नौकर राम और एक अन्य व्यापारी अभी तक हिरासत में हैं। हिरासत में लेकर छोड़ने वाले व्यापारी खजुरिया के आसपास क्षेत्र के बताए जा रहे हैं। वहीं पुलिस टीमों ने व्यापारी के मकान के इर्द-गिर्द दो दुकानों के पास के सीसीटीवी कैमरों के साथ निजी बस स्टैंड के पास कैमरा और एक खजुरिया चौराहे के पास के कैमरे खंगाले हैं। नौकर बोला- घर पर कभी कोई नहीं आता था- बबलू सेठी के नौकर राम ने बातचीत में बताया कि शनिवार रात लगभग 11:30 बजे इंडिया के मैच जीतने की बधाई फोन पर भैया ने दी थी। रविवार सुबह उनके हत्या की सूचना मिली थी। व्यापारी के घर में ही सोने वाला नौकर ओम प्रकाश 28 जून को बीमारी का हवाला देकर घर गया था। वह 5-6 माह से दुकान पर दिहाड़ी पर काम करता था। ओमप्रकाश ने बताया कि सेठ जी को पेट दर्द, ब्लड प्रेशर की बीमारी थी। घर पर कभी कोई नहीं आता था, न कभी झगड़ा की बात सामने आई। नौकरानी से फिर पूछताछ- पुलिस ने नौकर राम के साथ नौकरानी से फिर पूछताछ की। कई घंटे पूछताछ के बाद नौकरानी को छोड़ दिया। नौकरानी ने बताया कि सेठ जी रोज शाम को अपने घर की कुंडी बंद नहीं करते थे। कई बार कहा भी लेकिन उन्होंने कभी कुंडी बंद नहीं की। रविवार सुबह जब वह घर गई तो पूर्व की भांति कुंडी खुली थी, अंदर गई तो ऊपर कमरे में सेठ जी का शव पड़ा था। हत्या में किसी करीबी का हाथ, खुलासा जल्द-आईजी- आईजी प्रशांत कुमार सोमवार की रात नौ बजे खजुरिया स्थित व्यापारी के आवास पहुंचे। घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। आईजी ने बताया कि सेठी की हत्या की पुलिस गहनता से जांच कर रही है। जांच में सामने आया है कि व्यापारी की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। घर में आने का कोई दूसरा रास्ता नहीं है। जबरन कोई घुसा नहीं। ऐसे में किसी करीबी का हाथ लग रहा है। खुलासा जल्द होगा। इस दौरान एसपी गणेश प्रसाद साहा, एएसपी नैपाल सिंह, पलिया सीओ यादवेंद्र यादव मौजूद रहे। वहीं आईजी के आने की सूचना पर सोमवार रात लगभग 9 बजे खजुरिया प्रधान प्रभुनाथ, व्यापार मंडल अध्यक्ष ऋषिकेश सिंह, विनय गुप्ता, मन्तु गुप्ता, अनिल सहित दर्जनों व्यापारी और व्यापारी के रिश्तेदार मौके पर पहुंच गए थे।

बाजार खुला, व्यापारियों में हत्याकांड की रही चर्चा - सोमवार को खजुरिया का बाजार रोज की तरह खुला। रविवार को साप्ताहिक बंदी की वजह से बंद था। दुकानें खुलीं तो हर जगह व्यापारी के हत्याकांड की चर्चा रही। कुछ लोग हत्या के पीछे लूट की आशंका जता रहे हैं, तो कुछ लेनदेन को लेकर हत्या की बात कह रहे हैं।

कुछ लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पुलिस को सीसीटीवी कैमरे में दिल्ली नंबर की एक गाड़ी आती दिखी है। सोमवार को गौरीफंटा पुलिस भी खजुरिया पहुंची और लोगों से कई बिंदुओं पर पूछताछ करने में जुटी रही। एएसपी नैपाल सिंह ने बताया कि घटना के खुलासे को लेकर तीन टीमों को लगाया गया है।

पुलिस की स्वाट टीम, क्राइम ब्रांच व थाने की टीम कई बिंदुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। साथ ही सीडीआर भी खंगाली जा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

संभल जिले का पहला केस बहजोई में दर्ज, महिला ने ससुरालियों पर दर्ज कराई धारा 115 में रिपोर्ट

संभल जिले में पहले दिन नए कानून के तहत दो केस दर्ज किए गए। पहला केस बहजोई और दूसरा संभल कोतवाली में दर्ज किया गया। एसपी ने बताया कि सभी कर्मचारियों और दरोगाओं को नए कानून के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है। कोई भी परेशानी आने पर उसका त्वरित समाधान किया जाएगा।

भारतीय न्याय संहिता-2023 के तहत सोमवार को संभल जिले में पहला मुकदमा बहजोई थाने में दर्ज हुआ। जिसमें कैशोपुर रसैटा निवासी महिला ने ससुरालियों के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज और धमकाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है।यह मामला नए कानून की धारा 115, 352 और 351 (2) में रिपोर्ट दर्ज की गई है। दूसरा मुकदमा संभल कोतवाली में इन्हीं धाराओं में दर्ज किया गया। बहजोई थाना क्षेत्र के गांव कैशोपुर रसैटा निवासी सुनीता पत्नी सोनू सोमवार की सुबह थाने पहुंचीं और ससुराल पक्ष के लोगों पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। बताया कि ससुरालियों ने गाली-गलौज और धमकी भी दी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर इंद्रवती, रामफल और सूरजपाल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 115, 352 और 351 (2) में रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं दूसरा मुकदमा संभल कोतवाली मारपीट का दर्ज हुआ। मोहल्ला मियां सराय निवासी नसीम ने बताया है कि उसके 14 वर्षीय बेटे अफ्फान के साथ मोहल्ला निवासी गुलनवाज उर्फ गुल्लू, आकिब, जिकरान और कैफू ने मारपीट की है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर नए कानून की धारा 115, 352 और 351 (2) में गुलनवाज उर्फ गुल्लू, आकिब, जिकरान और कैफू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज किया है। पुलिसकर्मियों और अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया है। किताबें भी दी गई हैं। इसमें कुछ समस्याएं तो शुरुआत में आएंगी। इसके समाधान के लिए समिति गठित की गई है। इस समिति का नेतृत्व एएसपी करेंगे। - कुलदीप सिंह गुनावत, एसपी, संभल न्यायिक अधिकारी और अधिवक्ताओं के सामने दिक्कत आएंगी। समय के साथ इसको समझा जाएगा। नए कानून की अवधारणा अब न्याय आधारित है, पहले दंड आधारित थी। - टेकचंद्र यादव, पूर्व अध्यक्ष, चंदौसी बार एसोसिएशन नए कानून को समझने में थोड़ी दिक्कत होगी। लंबे समय से जो कानून की जानकारी अधिवक्ताओं को है। वह जीरो हो गई है। नए सिरे से शुरूआत करनी होगी। वादी को भी समझाने में दिक्कत होगी। -तौसीफ खां, अधिवक्ता, संभल

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 927776991

संक्षिप्त समाचार

रोटरी क्लब शामली स्टार्स ने मनाया डॉक्टर एवं सीए डे

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। रोटरी क्लब शामली स्टार्स नवनिर्वाचित अध्यक्ष रो अखिल तायल सचिव गोपाल मित्तल कोषाध्यक्ष मोहित बंसल

ने डॉक्टर एवं सीए डे पर शामली के समानित डा रो विनीत चौधरी, डा नीलम शुक्ला, डा सुनील माहेश्वरी, डा ऋषभ बंसल एवं डा कुंवर महबूब अली, डा गौरव गोयल, डा रुचि गोयल को सम्मान प्रतीक तथा शाल उढ़कर समानित किया तथा शामली के सम्मानित ष्ट आकाश गर्ग, ष्ट अजय विष्णु गुप्ता, ष्ट आकाश गुप्ता को भी प्रतीक चिन्ह एवं शाल उढ़कर समानित किया। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष अखिल तायल ने डॉक्टर दिवस पर शामली के सभी डॉक्टर्स को हार्दिक बधाई दी तथा उन्होंने शामली के सभी सम्मानित चार्टेड अकाउंटेंट को भी हार्दिक बधाई दी। इस अवसर पर क्लब के सदस्य रो अवनेश कुमार को उनके जन्मदिवस की शुभकामनाएं भी दी गई। इस अवसर पर अंकुर आर्य ,अमित जैन ,अगम गर्ग ,सुमित गर्ग ,नितिन तायल ,मोहित बंसल ,गोपाल मित्तल ,रजत बिंदल, अमित अरोरा ,अंकित गोयल ,अंकुर जैन, पुषंक जैन, आदि सभी रोटेरियन साथियों का सहयोग रहा।

राजश्री कालेज में एक पेड़ मां के नाम पर पौधारोपण किया

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। राजश्री कालेज में सोमवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर वन महोत्सव के

पहले दिन एक पेड़ मां के नाम से पौधारोपण किया। बच्चों ने पौधारोपण की उपयोगिता से सम्बंधित विभिन्न पर्यावरण के महत्व को प्रदर्शित करने वाली कलाकृतियां बनाई गईं।इस मौके पर रजिस्ट्रार दुष्यंत महेश्वरी ,डीन डॉक्टर साकेत अग्रवाल ,प्राचार्य डॉ मुकेश गंगवार, सुषमा गंगवार, कौशल किशोर, आकांक्षा वर्मा ,सिमरन प्रवीन ओमपाल गंगवार सहित तमाम विद्यार्थी मौजूद रहे।

त्योहारों पर नयी परम्परा न डालें, क्षेत्राधिकारी नवाबगंज हर्ष मोदी

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। थाना हाफिजगंज के गांव कुंवरपुर बंजरिया में मंगलवार को मुहर्रम एवं कांवड़ यात्रा को लेकर मीटिंग हुई। एसडीएम

नवाबगंज मलिका नैन सीओ नवाबगंज हर्ष मोदी ने ग्रामीणों को त्योहारों को शान्ति पूर्ण ढंग से मनाने तथा किसी प्रकार की नयी परम्परा न डालने को चेताया।किसी भी सूरत में त्योहारों पर खुराफात बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सीधे जेल भेजा जाएगा।इस दौरान कांवड़ यात्रा के लिए मार्गों का निरीक्षण किया।इस मौके पर थानाध्यक्ष संजय कुमार, प्रधानपति शाकिर अली, डाक्टर माजिद अली, ताहिर, राशिद सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

बीएचयू के एमबीए छात्र को मिला 23.5 लाख का पैकेज, 165 छात्र-छात्राओं को भी मिला कैंपस प्लेसमेंट

विदेश की प्रमुख कॉरपोरेट कंपनियों में कैंपस सेलेक्शन के बाद छात्रों के चेहरे खिल उठे। इस दौरान कुल 65 कंपनियों ने हिस्सा लिया था। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रबंध शास्त्र संस्थान के छात्र-छात्राओं को देश-विदेश की प्रमुख कॉरपोरेट कंपनियों में प्रमुख पदों पर कैंपस प्लेसमेंट मिला है। एमबीए के एक छात्र को न्यूवेक्सो वेलनेस कंपनी में 23.5 लाख रुपये सालाना की जॉब ऑफर हुई। संस्थान के 165 छात्र-छात्राओं को औसतन 11.1 लाख का सालाना पैकेज मिला है। प्रबंध शास्त्र संस्थान के प्लेसमेंट समन्वयक डॉ. आशुतोष मोहन ने बताया कि एमबीए, एमबीए इंटरनेशनल बिजनेस और एमबीए एग्रीबिजनेस के छात्रों ने अच्छा प्लेसमेंट प्राप्त किया है। प्रबंध शास्त्र संस्थान के 165 छात्र-छात्राओं को विभिन्न कंपनियों में नौकरी के 181 प्रस्ताव मिले काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रबंध शास्त्र संस्थान के छात्र-छात्राओं को देश-विदेश की प्रमुख कॉरपोरेट कंपनियों में प्रमुख पदों पर कैंपस प्लेसमेंट मिला है। एमबीए के एक छात्र को न्यूवेक्सो वेलनेस कंपनी में 23.5 लाख रुपये सालाना की जॉब ऑफर हुई। संस्थान के 165 छात्र-छात्राओं को औसतन 11.1 लाख का सालाना पैकेज समन्वयक डॉ. आशुतोष मोहन ने बताया कि एमबीए, एग्रीबिजनेस के छात्रों ने अच्छा प्लेसमेंट प्राप्त किया है। विभिन्न कंपनियों में नौकरी के 181 प्रस्ताव मिले कैंपस फाइनेंस, अडानी विल्मर, वोल्वो आयशर कॉमर्शियल आईडीबीआई बैंक, उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक, वीजा स्टील, बजाज एसेट मैनेजमेंट, यूनिक्लो, अमूल कंपनियों ने हिस्सा लिया। एफएमएस-बीएचयू में संस्थान के डीन प्रो. एचपी माथुर ने बताया कि 36 को प्रशिक्षु की भूमिका के साथ विभिन्न उप-प्रोफाइल फाइनेंस, एमटी-बिजनेस एक्सीलेंस, एमटी-स्ट्रेटेजी पेमेंट्स, एमटी-रिटेल ऑपरेशंस आदि के ऑफर मिले। मैनेजमेंट में अधिकारी की हिस्सेदारी 8 फीसदी, बिजनेस एनालिस्ट की 7 फीसदी, बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर की 4 फीसदी, प्रोजेक्ट मैनेजर की 3 फीसदी, यंग प्रोफेशनल्स के रूप में 2 फीसदी और और टेरिटरी सेल्स इन-चार्ज के रूप में 1 फीसदी हिस्सेदारी थी। साउथ इंडियन बैंक, बंधन बैंक, जन बैंक, एसबीआई लाइफ, आईसीआईसीआई प्रू एएमसी और यूटीआई म्यूचुअल फंड्स जैसी प्रसिद्ध फर्मों ने बीएफएसआई क्षेत्र में मार्केटिंग, वित्त, संचालन और मानव संसाधन जैसे डोमेन में छात्रों को आकर्षक पदों की पेशकश की है। बीएचयू प्रबंध शास्त्र संस्थान के निदेशक प्रो. आशीष वाजपेयी ने प्लेसमेंट टीम को बधाई दी और छात्रों को 'व्यवसाय के लिए तैयार' व्यक्तियों के रूप में आकार देने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों के उत्साह और मानव संसाधन, वित्त और मार्केटिंग क्षेत्रों में व्यवसाय और समाज में महत्वपूर्ण योगदान देने के उनके संकल्प की प्रशंसा की। प्रो. ज्योति रोहिला राणा क्ष। के कला-इतिहास विभाग की अध्यक्ष बनीं- काशी हिंदू विश्वविद्यालय (क्ष।) के कला संकाय के कला-इतिहास विभाग का अध्यक्ष प्रो. ज्योति रोहिला राणा को बनाया गया है। कुलपति प्रो. सुधीर कुमार जैन ने तीन साल के लिए उनकी नियुक्ति की है। प्रो. राणा की नियुक्ति तीन जुलाई से प्रभावी होगी। यह जानकारी बीएचयू के सहायक कुलसचिव (सामान्य प्रशासन) अशोक कुमार शर्मा ने दी।

प्लेसमेंट मिला है। एमबीए के एक छात्र को की जॉब ऑफर हुई। संस्थान के 165 छात्र-मिला है।प्रबंध शास्त्र संस्थान के प्लेसमेंट एमबीए इंटरनेशनल बिजनेस और एमबीए प्रबंध शास्त्र संस्थान के 165 छात्र-छात्राओं को चयन में इंफोसिस, जेनपैक्ट, कॉग्निजेंट, महिंद्रा व्हीकल, रिलायंस रिटेल, फेडरल बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, डिजिट जनरल इंश्योरेंस, और एस्कॉर्ट्स कुबोटा सहित 65 से अधिक कॉरपोरेट मामलों एवं प्लेसमेंट अध्यक्ष और फीसदी छात्र-छात्राओं को कार्यकारी/प्रबंधन जैसे एमटी-सेल्स एंड मार्केटिंग, एमटी-एंड प्रोजेक्ट्स, एमटी-एलायंस एंड इलेक्ट्रॉनिक छात्रों को आकर्षक पदों की पेशकश- जूनियर

हाथरस हादसे की आंखों देखी: पूरी कहानी भगदड़ की शिकार युवती की जुबानी, राजस्थान-एमपी-हरियाणा से भी आए थे भक्त

जानकारी सामने आई है कि महीने की शुरुआत के पहले मंगलवार को सत्संग होता है। इस सत्संग में राजस्थान, मध्यप्रदेश, हरियाणा सहित कई राज्यों के लोग आए थे। भीड़ का अंदाजा इसी से लगाया

जा सकता है कि वाहनों की संख्या तीन किलोमीटर तक फैली हुई थी। यूपी के हाथरस में मंगलवार को भोले बाबा के सत्संग में भगदड़ मच गई। इसमें अब तक 27 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे हैं। बताया जा रहा है कि इस हादस में 100 से अधिक लोग घायल हैं। प्रदेश में हुई इस बड़ी घटना को लेकर सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी संज्ञान लिया है। बता दें कि इस हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है।इस बीच जो लोग इस सत्संग में शामिल होने गए थे और भगदड़ का शिकार हुए हैं उन्होंने बताया कि मौके पर कैसे मंजर था। एक युवती ने बताया कि सत्संग में बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी हुई थी। सत्संग समाप्त हुआ उसके बाद लोग वहां से जाने लगे। इसी दौरान निकलने की जल्दी में भगदड़ मच गई। लोग एक दूसरे को देख ही नहीं रहे थे। महिलाएं और बच्चे गिरते चले गए। भीड़ उनके ऊपर से दौड़ रही थी। कोई बचाने वाला नहीं था। चारों ओर चीख पुकार मची हुई थी। तीन किलोमीटर तक फैली थी वाहनों की संख्या- जानकारी सामने आई है कि महीने की शुरुआत के पहले मंगलवार को सत्संग होता है। इस सत्संग में राजस्थान, मध्यप्रदेश, हरियाणा सहित कई राज्यों के लोग आए थे। भीड़ का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वाहनों की संख्या तीन किलोमीटर तक फैली हुई थी।

राहुल गांधी के बयान से नाराज भाजपाइयों ने फूंका पुतला, माफी मांगने की मांग की

लोकसभा में हिंदू समाज को लेकर भाजपा पर कटाक्ष करने से नाराज भाजपा कार्यकर्ताओं ने अमेठी में राहुल गांधी का पुतला जलाया और माफी मांगने की बात कही।कांग्रेस नेता राहुल गांधी के सदन में हिंदू समाज को लेकर दिए गए बयान से भाजपा कार्यकर्ताओं में नाराजगी है।

मंगलवार को भाजपा जिला सचिव के नेतृत्व में मुसाफिरखाना तहसील गेट पर पहुंचकर प्रदर्शन किया। इस दौरान राहुल गांधी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और पुतला फूंका।ये लोग बयान को लेकर राहुल गांधी से माफी मांगे जाने की मांग रहे थे। दरअसल कांग्रेस नेता व रायबरेली के सांसद राहुल गांधी ने हिंदू समाज को लेकर भाजपा पर टिप्पणी की थी। इस टिप्पणी को लेकर जिले के भाजपा जिलामंत्री अतुल सिंह के नेतृत्व में लोग मुसाफिरखाना तहसील गेट पहुंचे। जहां राहुल गांधी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की साथ ही उनका पुतला भी फूंका।

प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि राहुल गांधी अपने बयान को लेकर माफी मांगे। भाजपा जिलामंत्री ने कहा कि कल सदन में राहुल गांधी के हिंदू समाज को लेकर दिए गए बयान से समस्त हिंदू समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। इस मौके पर राहुल कौशल विद्यार्थी, हर्षित जायसवाल, उदय सिंह, मुरली धर मिश्र, जगन्नाथ मिश्रा, बजरंग यादव, नीरज शर्मा आदि उपस्थित रहे।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला व्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

यूपी कैबिनेट ने लिया फैसला, सुरक्षा गार्ड और शिक्षकों के मानदेय में होगी बढ़ोतरी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई। बैठक में सुरक्षा गार्डों और शिक्षकों के मानदेय बढ़ाने के प्रस्ताव पर मुहर लगी।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक ने वेतन समिति पर मुख्य सचिव की संस्तुति पर मुहर लगा दी है। इससे 656 सुरक्षा गार्ड और 2130 शिक्षकों का मानदेय व भत्ता बढ़ना तय हो गया है। जो सुरक्षा गार्ड मुख्यमंत्री और राज्यपाल के यहां तैनात हैं उन्हें अब 12500 की जगह 22 हजार रुपये प्रोत्साहन मिलेगा।वहीं, व्यावसायिक शिक्षा में विशेषज्ञों को अब 500 की जगह 750 रुपये बढ़ाकर दिया जाएगा। उन्हें 12 हजार की जगह अधिकतम 15 हजार मिलेंगे। हाईस्कूल में 400 की जगह 500 किया गया है। वहीं, तदर्थ शिक्षकों को भी राहत दी गई है। अब उनका समायोजन मानदेय पर होगा। यूपी में स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन बनेगा। इसके लिए एक्ट लाया जाएगा। [illegible] लाने वाला यूपी तीसरा राज्य होगा। मास्टर प्लानिंग और बदलाव प्राधिकरण स्तर पर होंगे। एनओसी भी प्राधिकरण स्तर पर हो सकेगी। गुजरात, कर्नाटक और राजस्थान पहले से हैं। यूपी में बड़े निवेश क्षेत्र बनाए जाएंगे। इसके लिए 2 लाख एकड़ जमीन की आवश्यकता है। इसको विकसित करने के लिए विधिक जामा पहनाया जायेगा। 25 प्रतिशत औद्योगिक एरिया 50 एकड़ से कम है। एप्पल ने तमिलनाडु में यूनिट लगाई। महाराष्ट्र में मर्सिडीज ने लगाई है क्योंकि वहां बड़े लैंड बैंक हैं। शहरीकरण की सुविधा विकसित की जाएगी। बीडा का एरिया 5000 एकड़ रखा गया है। एडेड स्कूलों में खाली पदों के सापेक्ष प्रवक्ता और सहायक अध्यापक रख लेते हैं जबकि पद समाप्त होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने तदर्थ शिक्षकों को हटाने के निर्देश दिए। 2254 शिक्षक ऐसे हैं। प्रबंधन और शिक्षक की मांग थी कि स्थाई नियुक्ति तक इन्हे मानदेय पर रखा जाएगा। सहायक अध्यापकों को 25 हजार रुपये और प्रवक्ता को 30 हजार रुपये दिए जाएंगे। रायबरेली की सीमा विस्तार का प्रस्ताव स्थगित कर दिया गया है।

हिन्दू और हिंसा... राहुल गांधी के बयान पर देवकीनंदन ठाकुर का करारा जवाब, बोले- हम धर्मरक्षक हैं

राहुल गांधी के हिंदुओं पर दिए गए एक बयान ने हंगामा मचा दिया है। मथुरा में कथावाचक देवकीनंदन से इस बयान को लेकर प्रतिक्रिया ली गई तो वे नाराज नजर आए। जानें उन्होंने क्या कहा... लोकसभा में नेता विपक्ष के तौर पर राहुल गांधी के संसद में दिए बयान कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने करारा जवाब दिया है। कथावाचक ने कहा कि हमने तो सुना था कि राहुल गांधी मोहब्बत की दुकान लगाते हैं। सबको मोहब्बत बांटते हैं। लगता है कि राहुल गांधी की मोहब्बत की दुकान में हिंदुओं के लिए सामान नहीं है और इसीलिए मैंने देखा है कि उनकी 99 सीटें हैं और कोई भी हिंदू धर्माचार्य कांग्रेस की टिकट पर नहीं लड़ा है। एक तो उनको भी उन्होंने अपनी पार्टी से निकाल दिया। खैर इस बात से कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा कि हिन्दू हिंसक नहीं, धर्म रक्षक होता है। भगवान शिव का चित्र दिखाया और कहा कि वे कभी युद्ध नहीं करते, शांति का संदेश देते हैं। इस पर कथावाचक ने एक चित्र भी दिखाया। उन्होंने कहा कि धर्म की रक्षा के लिए हिन्दू खड़ा होता है।

कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर।

आस्था: भक्त नाथों के नाथ को लगाएंगे जगन्नाथी पान का भोग, रोजाना तीन ट्रक की खपत; जानें- इसकी विशेषता

भगवान जगन्नाथ का पान अर्पित करने की खास परंपरा है। इससे श्रद्धालु अपने लिए सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। पान के बीज को लेकर भी धार्मिक मान्यता है। यह कहानी भगवान शिव और माता पार्वती से जुड़ी हुए है।नीलांचल निवासाय नित्याय परमात्मने, बलभद्र सुभद्राभ्याम् जगन्नाथाय ते नमः...। यानी नीलांचल पर निवास करने वाले भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा और बलभद्र को नमस्कार है। नाथों के नाथ भगवान जगन्नाथ को भक्त पान का भोग अर्पित करेंगे। रथयात्रा मेले में भक्त मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए भगवान को नानखटाई के साथ ही जगन्नाथी पान का भोग भी अर्पित करते हैं।काशी के पहले लक्खा मेले में भगवान जगन्नाथ को पान अर्पित करके भक्त सुख, सौभाग्य और जीवन में प्रगति की कामना करेंगे। भगवान जगन्नाथ को अर्पित होने वाला पान भी बेहद खास तरीके से तैयार होता है। इसमें पान, सुपाड़ी, चूना, कत्था, गुलकंद, लौंग, नारियल और इलायची डाली जाती है। भगवान को अर्पित होने वाला ये खास पान गिरजाघर से लेकर महमूरगंज के बीच की हर पान की दुकान पर पहुंच चुका है। पान विक्रेता अमन चौरसिया का कहना है कि बनारस में रोजाना तीन ट्रक पान की खपत होती है। भगवान जगन्नाथ को अर्पित होने वाला पान ओडिशा से आता है। इसे जगन्नाथी या जगरनाथी पान भी कहते हैं। इसके अलावा मगही व देशी पान का भी भोग चढ़ाया जाता है। मान्यता है कि भोलेनाथ को पान अति प्रिय है। पान का पहला बीज भगवान शिव और माता पार्वती ने हिमालय के एक पहाड़ पर बोया था। इसी वजह से पान के पत्ते को पवित्र पत्ते के रूप में पहचान मिली। आज भी सभी धार्मिक अनुष्ठान में पान के पत्ते का इस्तेमाल होता है। भगवान विष्णु के अवतार श्री कृष्ण ही भगवान जगन्नाथ हैं। मान्यता है कि भगवान विष्णु को पान बेहद प्रिय हैं। उन्हें पान के पत्तों का भोग लगाने से वैवाहिक जीवन हमेशा सुखमय बना रहता है और जीवन में प्रगति होती रहती है। यही कारण है पूरे साल रथयात्रा पर्व का बेसब्री से इंतजार कर रहे काशीवासी भगवान जगन्नाथ को जगन्नाथी पान का भोग लगाते हैं संस्कृति का हिस्सा है पान- संस्कृति कर्मी राजेश गुप्ता का कहना है कि बनारस में बहुत बड़ी संख्या में लोग रोजाना पान खाते हैं और यह हमारी धार्मिक संस्कृति का एक हिस्सा है। पान, सिर्फ एक व्यंजन से कहीं बढ़कर है। यह एक सांस्कृतिक और धार्मिक प्रतीक है। बीएचयू के वैद्य सुशील दुबे का कहना है कि पान औषधीय गुणों से भरपूर होता है। आयुर्वेद के जनक धन्वंतरि ने भी पान की खूबियों का वर्णन किया है। उन्होंने लिखा है पान खाने से पाचन शक्ति दुरुस्त होती है। सुश्रुत का मानना है कि पान गले को साफ रखता है और इसके सेवन से मुंह से दुर्गंध नहीं आती है। इसके अलावा कई अन्य बीमारियों में भी इसका इस्तेमाल होता है।

संक्षिप्त समाचार

कांवड़ यात्रा 22 जुलाई से, बरेली में सात मार्गों पर रोडवेज बसों का रहेगा डायवर्जन

सावन माह में कांवड़ यात्रा के चलते हर सप्ताह तीन दिन बसों का संचालन परिवर्तित मार्गों से किया जाएगा। रोडवेज के अधिकारी वैकल्पिक मार्गों को चिह्नित कर रहे हैं।कांवड़ यात्रा 22 जुलाई से शुरू हो रही है। बरेली में यात्रा के दौरान होने वाले रोडवेज बसों के डायवर्जन पर अभी से काम शुरू कर दिया गया है। सावन माह में हर सप्ताह तीन दिन बसों का संचालन परिवर्तित मार्गों से किया जाएगा। रोडवेज के अधिकारी वैकल्पिक मार्गों को चिह्नित कर रहे हैं। सावन का पहला सोमवार 22 जुलाई और अंतिम व पांचवां सोमवार 19 अगस्त हो है। बरेली होते हुए बदायूं, मथुरा, मुरादाबाद, मेरठ, अलीगढ़, हरिद्वार, सहारनपुर व गढ़मुक्तेश्वर प्रमुख कांवड़ यात्रा मार्ग हैं। बड़ी संख्या में बरेली, बदायूं, रुहेलखंड और पीलीभीत डिपो की बसों का इन मार्गों पर संचालन होता है। सावन के दौरान हर सप्ताह शनिवार, रविवार और सोमवार को इन मार्गों पर सुरक्षा की दृष्टि से बसों को वैकल्पिक मार्गों पर डायवर्ट किया जाएगा। कांवड़ यात्रा के मद्देनजर एमडी ने क्षेत्रीय मुख्यालय पर कंट्रोल रूम बनाने का आदेश दिया है, जो 24 घंटे काम करेगा। इसके अलावा बस अड्डों पर कांवड़ियों की सुविधा के लिए व्यवस्थाओं में सुधार के आदेश भी दिए हैं। कांवड़ यात्रा के मद्देनजर जिला प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर डायवर्जन प्लान तैयार करने और निर्धारित मार्गों पर ही बसों का संचालन करने का आदेश दिया है। मुख्यालय ने चिह्नित किए गए वैकल्पिक मार्गों की सूची 10 जुलाई तक उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए हैं। सेवा प्रबंधक धनजी राम ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से सावन में हर सप्ताह शुक्रवार, शनिवार और रविवार को बसों का डायवर्ट कर चलाया जाएगा।

घर में चोरी... बेटी बोली- मेरी साइकिल बच गई, थैंक्यू चोर अंकल; बच्ची की मासूमियत पर मुस्कुरा पड़े लोग

वाराणसी के शिवपुर थाना इलाके में दो मकान में चोरी के बाद एक पीड़ित की मासूम बेटी साइकिल बचने से खुश है। बच्ची ने चोर को थैंक्यू भी कहा। बच्ची की मासूमियत भरी बातें सुनकर

परिजनों के साथ मौके पर मौजूद रहे लोग भी मुस्कुराने से खुद को रोक न पाए। वाराणसी के तरना पुलिस चौकी से चंद कदम की दूरी पर भरलाई में दो मकानों से चोर नकदी और गहने समेट ले गए। एक भुक्तभोगी अशोक पांडेय की चार वर्षीय बेटी प्रिशा ने सोमवार को मासूमियत से कहा कि पापा जो चोरी हुआ सो हुआ... अच्छा हुआ मेरी साइकिल बच गई... थैंक्यू चोर अंकल...। प्रिशा की मासूमियत भरी बातें सुनकर परिजनों के साथ मौके पर मौजूद रहे लोग भी मुस्कुराने से खुद को रोक न पाए। शिवपुर थाना क्षेत्र के भरलाई गांव निवासी अध्यापक अशोक कुमार पांडेय के घर में लगे ताले को तोड़ कर चोर अंदर घुसे। बॉक्स को तोड़कर 10 हजार रुपये और दो लाख के जेवर चुरा ले गए। अशोक के पड़ोसी राजन मिश्रा के मकान के तीन कमरों का ताला चोरों ने तोड़ा। चोर घर से 10 हजार रुपये और एक घड़ी चुरा ले गए। मौके पर तरना वार्ड के भाजपा के पार्षद रोहित मिश्रा पहुंचे। उन्होंने शिवपुर थाने की पुलिस से रात्रिकालीन गश्त पर ध्यान देने के साथ ही दोनों का जल्द खुलासा करने को कहा। अध्यापक के घर से 10 लाख के गहने चोरी- चंदौली के सकलडीहा के अपने गांव में त्रयोदशाह में शामिल होने गए सहायक अध्यापक संजय सिंह के घर को चोरों ने खंगाल डाला। संजय 2006 से रामनगर थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव में मकान बनाकर रहते हैं। सोमवार शाम सपरिवार घर पहुंचे तो अंदर का नजारा देख सन्न रह गए। उनके कमरों का ताला टूटा था और आलमारी खुली थी। पुलिस को बताया कि वह 27 जून को अपने गांव गए थे। वापस आए तो उनके घर से 10 लाख के जेवर गायब हैं। संजय के घर में लगे सीसी कैमरे में 28 जून की रात 1.36 बजे एक स्कूटी सवार आते दिखाई दिया। फिर वह 1.56 बजे आया और 2.50 बजे वापस चला गया।

If you need more than one alarm to wake up in the morning, then know its serious disadvantages from the experts

If you need more than one alarm to wake up in the morning, then it is time to be careful. Actually, American doctors have listed some serious disadvantages of this. This habit of yours not only affects the sleep cycle but also has a bad effect on memory and creativity. Let's know what the experts are saying. Waking up once and sleeping again has a very bad effect on the

quality of sleep. The habit of waking up with more than one alarm is not good for creativity. According to experts, one should choose the same time to sleep and wake up. In this busy life, the sleeping and waking schedule of many people has deteriorated. It may not be possible to go to bed on time at night, but getting up on time in the morning is everyone's compulsion. In such a situation, if you also have to set more than one alarm for this, then now you need to be careful! Actually, doctors say that this kind of habit is not good for your brain at all. Do you set 3-4 alarms to wake up in the morning? - Do you also have the habit of setting 3 to 4 alarms at an interval of 8-10 minutes to wake up in the morning? If yes, then let us tell you that according to American neurologist Bandon Peters, even though you may like waking up by setting multiple alarms and taking a nap again, it can prove to be a very harmful habit, from spoiling the quality of sleep to weakening the brain. Why is more than one alarm a matter of concern? - Usually people are in the fourth and last stage of the sleep cycle in the last hours of sleep, which is known as Rapid Eye Movement (REM) sleep. REM sleep is necessary for memory and creativity, but due to more than one alarm, this stage of sleep gets disturbed and the functioning of the brain can be affected. Peters says that one should set an alarm so that deep sleep continues uninterrupted until one wakes up. One alarm is best for waking up- Sleeping disorder expert Alicia Roth says that one alarm is the best for waking up. However, this can be difficult for some people. In such a situation, use such an alarm clock that requires getting out of bed to turn it off. Also, monitor your sleeping habits. Sleeping and waking up at the same time can prove to be very helpful. It becomes difficult to wake up from sleep- Due to sleep related disorders, some people need more than one alarm to wake up. These disorders include slow response while waking up, temporarily reduced memory and thinking ability and deterioration in mood, which makes it difficult to wake up from sleep. In such a situation, the person wakes up to turn off the alarm when it rings, but goes back to sleep.

Thyroid disorder increases the risk of heart disease, know from the doctor what is the reason for this

The thyroid hormone works to control our metabolism, but any disorder in it can cause serious damage to your health. These problems also include the risk of heart diseases. Let us know from the doctor about how thyroid disorder increases the risk of heart disease. The thyroid gland controls our metabolism. Thyroid disorder can cause serious damage to the heart. Controlling thyroid related problems in time helps in keeping the heart safe. The thyroid gland is one of the important organs of our body. It releases thyroid hormone, which does many other important functions along with controlling metabolism. However, sometimes the thyroid hormone is not able to function properly and the level of thyroid hormone starts getting disturbed. When the thyroid hormone starts

very deep effect on the heart. Actually, the thyroid gland controls the metabolism of the body, but due to this, the risk of heart diseases increases due to imbalance in hormones. Effect of hypothyroidism on the heart- Hyperthyroidism, in which the thyroid gland becomes more active, can cause problems like fast heartbeat or heart beating with a lot of pressure. Abnormal heartbeat can cause heart palpitations, tachycardia and in some severe cases atrial fibrillation. Let us tell you that atrial fibrillation can be a life-threatening condition, in which the heart starts beating irregularly, due to which there is also a risk of heart failure and stroke. Due to fast metabolism, blood pressure increases, which has a negative effect on the cardiovascular system. Effect of hypothyroidism on the heart- On the other hand, hypothyroidism, in which the thyroid gland is less active, slows down the metabolism. Due to this, bradycardia, i.e. slow heartbeat, low cardiac output and increased cholesterol can also occur. Due to this, the risk of heart diseases increases. Also, due to this, hypothyroidism also causes fluid retention and stiffness in the arteries. On top of this, heart problems can become more serious due to slow metabolism. Dr. Chhajar explains that both these conditions can cause electrolyte and hormone imbalance, which causes problems in the normal functions of the heart. Therefore, it is important to detect and treat any thyroid-related problem as soon as possible, so that the risk of cardiovascular diseases can be reduced.

If you want to buy Wooden Furniture for your home in budget, then these tips and tricks will be useful.

You can give a luxurious look to your home with affordable wooden furniture. You just have to choose the right furniture and show a little creativity. If you are also thinking of buying new and beautiful furniture for your home, that too in budget, then these tips and tricks can be useful for you. Wooden furniture can add to the beauty of the house. Buy wooden furniture in budget in these ways. It is everyone's dream to make the house beautiful and comfortable, but for this it is also necessary to have money in the pocket. Where is the interior possible without

luxury furniture, lightings, is not completely right. By you can give a great look to budget in these ways. . buying wooden furniture, of. Furniture made of strong and durable options. also have excellent finishing. necessary that second hand You can also look for second from the furniture market. 3. Take advantage of sales not only clothes but furniture furniture during this time. beautiful furniture within a little creative, then you can the house with the help of DIY furniture, decorate them make the furniture look new furniture- To maintain care is also very important. time and keep cleaning the art pieces. If you also think so, then it investing a little money on furniture, the house. You can buy furniture in Choosing the right wood - While definitely see which wood it is made rosewood, teak and mango wood are They not only last for a long time, but 2. Buy second hand furniture- It is not furniture is always in bad condition. hand furniture in good condition You can get it at an affordable price. and discounts- On special occasions, also gets huge discounts, so shop for Where you can buy expensive and budget. 4. DIY decoration- If you are give a great look to the furniture of (Do It Yourself). Paint old wooden according to your choice. This will and the house attractive. 5. Care of wooden furniture for a long time, its Keep getting it polished from time to dust accumulated on it. This will make the furniture shine like new and will also increase its life. 6. Choose multipurpose furniture- Choose furniture that is multipurpose, i.e. it can be used for more than one purpose, such as sofa cum bed, bench with storage etc. This will also save your space and you will get more benefits at a lesser price. 7. Finishing of wood- The finishing of furniture also matters a lot. The right finishing of wooden furniture makes it look expensive and luxurious. Therefore, pay attention to its finishing while buying furniture.

Auron Mein Kahan Dum Tha: Ajay-Tabu's film will not release on the scheduled date?

The date will be extended due to fear of 'Kalki'! Bollywood actors Ajay Devgan and Tabu are currently waiting for the release of their upcoming film 'Auron Mein Kahan Dum Tha'. The audience is very excited about this film. In this romantic-thriller film, Ajay and Tabu's pair will be seen on screen once again after a long time. This film, directed by Neeraj Pandey,

is going to be released in theaters on July 5. But according to new reports, the release date of the film may be extended. These days Nag Ashwin's film 'Kalki 2898 AD' is running in theaters, which is getting a great response from the audience. This film is adorned with stars like Prabhas, Deepika Padukone, Amitabh Bachchan, Kamal Haasan and Disha Patani. In India, the film has crossed the Rs 300 crore mark in just 4 days. In such a situation, the makers of the film 'Auron Mein Kahan Dum Tha' are afraid that this may harm their film. According to media reports, the release date of Ajay Devgan and Tabu's film can be postponed due to the fear of 'Kalki 2898 AD'. It is being told that the release of 'Auron Mein Kahan Dum Tha' is expected to be postponed by a few weeks. The release date of the film, July 5, was already a very busy date. Because Karan Johar's Kill and Janhvi Kapoor's Uljh were also knocking on this day. The release date of 'Ulj' has also been postponed. Now if the film 'Auron Mein Kahan Dum Tha' is released on its scheduled date, then it will clash with Karan Johar's 'Kill'. However, according to the latest media reports, it now seems that 'Kill' is going to be released alone this week. Ajay Devgan and Tabu's romantic-thriller film 'Auron Mein Kahan Dum Tha' is directed by Neeraj Pandey. Apart from Ajay-Tabu, Jimmy Shergill, Sai Manjrekar and Shantanu Maheshwari will also be seen in it. The film is produced by Panorama Studio. Its music is composed by Oscar winner MM Keeravani.

New explosive TV serials will start in July, will also give tough competition to 'Anupama'

Many TV shows are going to start in the month of July. The story of these TV shows is so strong that it can compete with popular TV shows like 'Anupama'. This list includes the names of 'Khubsoorat', 'Megha Barsange', 'Mishri', 'Dil Ko Tumse Pyar Hua' and many other TV shows. The second season of 'Dori' serial will start soon on Colors TV. With the new season, 'Dori 2' serial is going to knock in the TV world soon with a new starcast. The special thing is that the name of the lead actress for this serial has also been decided. According to media reports, Ashi Singh may not be a part of 'Dori 2'. Actress Niharika Chouksey will also be seen playing the lead role in 'Dori 2'. This show may start in July itself.Colors TV is all set to entertain the audience with its new show 'Khubsoorat'. The show 'Khubsoorat' is the story of a simple girl's dreams, with which every Mumbaikar can relate. Navya, who lives in a chawl, stands with aspirations as high as the skyscrapers of the city. She is the only dark-skinned person in the family and due to this she wants to do something big despite her father's disapproval. Farman Haider and Yasha Harsora will be seen together. A new TV serial 'Megha Barsange' has been announced on Colors, whose promo has been liked by the people a lot. The serial will be about an NRI boy, who marries in India and leaves his wife. The show will feature the pair of Neha Rana and Kinshuk Mahajan. A new show has been announced on Colors, whose name is 'Mishri'. The trio of Megha Chakraborty, Namish Taneja and Shruti Bisht will be seen in this serial. The show is starting on Colors from July 3. 'Dil Ko Tumse Pyar Hua' is a TV show based on a unique love story. This show will come on Star Plus. Akshit Sukhija and Aditi Tripathi will be seen in this TV show. The promo of the show has been released. Now fans are waiting for the serial to go on air.

Mirzapur's sharp-tempered Golu lives a luxurious life, owns so much property

Prime Video's popular web series 'Mirzapur 3' is about to release. There is tremendous enthusiasm among the audience and they are eagerly waiting for it. This wait is going to be completed on 5 July 2024. Actress Shweta Tripathi is also in an important role in this series. She is seen in the role of a gangster with a pistol in her hand. This time she is seen in a more aggressive style in the trailer of the series. Shweta Tripathi lives a very luxurious life in real life. Let's know her net worth... Shweta Tripathi was born on 6 July 1985 in Delhi. Shweta, who is making a name in the world of acting, has a very interesting film journey. She had not dreamt of coming into the industry. She herself wanted to become a lawyer. At the same time, her parents wanted to make her an IAS. Neither her wish was fulfilled nor that of the family members and the destination of her career was found by coming into the world of acting. Shweta's father is an IAS and mother is a teacher. Shweta herself gave the law entrance exam after schooling to make a career in law. She also passed it. Then she also obtained a Bachelor of Design degree from NIFT. Actually, she also wanted to do something in the fashion world, but gradually her inclination started increasing towards acting. However, she was afraid to talk to her parents about this. However, one day when she told her father about her wish, he supported her daughter and advised her to take admission in the National School of Drama. Shweta came to Mayanagari with the dream of becoming a star. Here she worked as a photo editor in a magazine, then also worked in a production house. After working as an associate director and production assistant for some time, she opened her own theater company, which was named All My Tea Productions. In her career, Shweta Tripathi worked in many films. These include films like 'Haramkhor', 'Gone Kesh', 'Raat Akeli Hai', The Illegal and 'Rashmi Rocket' etc. But, she got recognition from the 'Mirzapur' series. Shweta Tripathi was highly appreciated as Golu Gupta in the Mirzapur series. Talking about Shweta Tripathi's net worth, according to media reports, she is the owner of property worth about eight crore rupees. Talking about Shweta's personal life, in the year 2018, she married Chaitanya Sharma aka rapper Slow Cheeta. Chaitanya has worked in the film Gully Boy. According to reports, the two first met on a flight.